सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: आकाश दीप का कहर, भारत जीत से चार विकेट दूर..... -पेज: 7

शनाया की ईमानदारी और कमिटमेंट ने किया मुझे हैरान..... -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 88 | सोमवार 07 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

'भाजपा-नीतीश ने बिहार को भारत की क्राइम कैपिटल बना दिया', गोपाल खेमका की हत्या पर बोले राहुल गांधी

बिहार (एजेंसी): बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। इस घटना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीतीश कुमार सरकार पर तीखा निशाना साधा है और दावा किया है कि सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन ने बिहार को भारत की अपराध राजधानी बना दिया है। राहुल गांधी का नीतीश सरकार पर हमला राहुल गांधी ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर ट्वीट करते हुए लिखा, "आज बिहार लूट, गोलीबारी और हत्या के साये में जी रहा है। अपराध आम बात हो गई है और सरकार पूरी तरह विफल हो गई है।" कांग्रेस सांसद ने बिहार के लोगों से अपील की कि वे आगामी विधानसभा चुनावों में ऐसी सरकार को वोट न दें जो "आपके बच्चों की सुरक्षा नहीं कर सकती"। उन्होंने आगे लिखा, "हर हत्या, हर डकैती, हर गोली बदलाव की पुकार है। एक नए बिहार का समय आ गया है - डर का नहीं प्रगति का। इस बार आपका वोट सिर्फ सरकार बदलने के लिए नहीं है - यह बिहार को बचाने के लिए है।" क्या है पूरा मामला? व्यवसायी के बेटे की भी हुई थी हत्या मगध अस्पताल के मालिक गोपाल खेमका की शुक्रवार रात 11:40 बजे राजधानी के आलीशान गांधी मैदान इलाके में एक अज्ञात बाइक सवार हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। चौंकाने वाली बात यह है कि छह साल पहले उनके बेटे गुंजन खेमका जो एक भाजपा नेता थे की भी इसी तरह दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है और राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ ही महीने पहले इसने राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

बिहार की राजधानी पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या के बाद राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ गए हैं। इस घटना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीतीश कुमार सरकार पर तीखा निशाना साधा है

तेजस्वी यादव और पप्पू यादव ने भी साधा निशाना राजद प्रमुख तेजस्वी यादव ने भी इस घटना को लेकर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, "यह एक भयानक घटना है। व्यवसायी बिहार छोड़ना चाहते हैं। यह घटना पटना के बीचों-बीच हुई... फिर भी पुलिस को यहां पहुंचने में दो घंटे लग गए।" तेजस्वी यादव ने आगे कहा, "छह साल पहले उनके (गोपाल खेमका) बेटे की हत्या कर दी गई थी और हत्यारों में से कोई भी पकड़ा नहीं गया... जब तक रिश्वत के जरिए तबादले और पोस्टिंग की जाती है और काम करने वालों की पोस्टिंग नहीं की जाती तब तक हालात नहीं सुधरेंगे। बिहार में कोई भी सुरक्षित नहीं है... सीएम बेहोश हैं और थके हुए हैं अधिकारी सरकार चला रहे हैं।" घटना के सामने आने के तुरंत बाद बिहार के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव घटनास्थल पर पहुंचे और सवाल उठाया कि ऐसे इलाके में ऐसी घटना कैसे हो सकती है जहां जिला मजिस्ट्रेट सहित सभी प्रमुख अधिकारी रहते हैं। उन्होंने आगे पूछा कि क्या बिहार सरकार खेमका परिवार के सभी सदस्यों को मरते देखना चाहती है। गोपाल खेमका की हत्या ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और विपक्ष इस मुद्दे को आगामी चुनावों में भुनाने की पूरी कोशिश करेगा।

जब जनता का विरोध सामने आता है तो भाजपा पीछे हट जाती है: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए बिहार के लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य के मतदाता लोकतंत्र और संविधान पर हमले के लिए भाजपा को सबक जरूर सिखाएंगे। खरगे ने निर्वाचन आयोग द्वारा जारी एक नये विज्ञापन का हवाला दिया, जिसमें बिहार के मतदाताओं से एसआईआर के तहत केवल एक फॉर्म भरने का आग्रह किया गया है। खरगे ने आरोप लगाया कि जब जनता का विरोध सामने आता है, तो भाजपा बड़ी चालाकी से कदम पीछे खींच लेती है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निर्वाचन आयोग के सहयोग से भाजपा ने बिहार में करोड़ों लोगों के मतदान का अधिकार छीनने का जो मास्टर प्लॉन बनाया था, उसमें अब भाजपा खुद फंसती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ आवाज उठा रही है। उन्होंने कहा, जो लोग चुनाव में लगातार मतदान करते रहे हैं, उनसे मतदान के लिए दस्तावेज दिखाने को क्यों कहा जा रहा है? खरगे ने आरोप लगाया, गरीब, कमजोर, वंचित, दलित, पीड़ित, पिछड़े लोगों का जबरन मताधिकार छीनना ही भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का षड्यंत्र है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि एसआईआर के कारण लगभग आठ करोड़ लोग प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा, मतदाता सूची को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है, जनता की नहीं। उन्होंने दावा किया,जब विपक्ष, जनता और नागरिक समाज की ओर से दबाव बढ़ा तो निर्वाचन आयोग ने आज जल्दबाजी में ये विज्ञापन प्रकाशित कर दिए, जिनमें कहा गया है

दिल्ली उपराज्यपाल ने कहा, राजधानी अभी पुराने वाहनों पर प्रतिबंध के लिए तैयार नहीं', सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली में 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगाए गए प्रतिबंध को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। राजधानी में 1 जुलाई से इस योजना के तहत इन वाहनों को ईंधन देने पर रोक लगा दी गई थी, जिसका व्यापक विरोध हुआ है। अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकता है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिखकर इस योजना को फिर से लागू करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि सरकार इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करेगी और दिल्ली की जनता की आवाज वहां भी उठाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, "दिल्ली के लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, इसलिए हम हर संभव प्रयास करेंगे ताकि जनता को राहत मिल सके।" इस योजना को लागू करना थोड़ा मुश्किल - सिरसा पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस प्रतिबंध को लागू करना तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टिकोण से मुश्किल बताया है। उन्होंने कहा कि खराब रखरखाव वाले वाहनों को जब्त करने के सिस्टम पर काम चल रहा है और इस वजह से उन लोगों को सजा नहीं मिलनी चाहिए जो अपनी गाड़ियों की अच्छी देखभाल करते हैं। 62 लाख वाहनों पर पड़ेगा असर इस आदेश का असर दिल्ली में लगभग 62 लाख वाहनों पर पड़ा है, जिनमें कार, दोपहिया वाहन, ट्रक और पुराने विंटेज वाहन शामिल हैं। यह कदम दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से लिया गया था क्योंकि वाहनों से होने वाला प्रदूषण राजधानी में वायु गुणवत्ता के प्रमुख कारणों में से एक है। 498 पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरों से की जाएगी पहचान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 498 पेट्रोल पंपों पर लगे कैमरों के जरिए पुराने वाहनों की पहचान की जा रही है। ये कैमरे एक केंद्रीय डाटाबेस से जुड़े हैं जो वाहन की नंबर प्लेट के आधार पर उसका एंड ऑफ लाइफ स्टेटस बताता है और फ्यूल ऑपरेटर को इसके बारे में सूचित करता है। दिल्ली इसके लिए अभी तैयार नहीं - उपराज्यपाल दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने भी इस फैसले को लेकर दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर अपनी चिंता जताई है।

'क्या अब माफी मांगेंगे सीएम सिद्दरमैया?', बीजेपी ने उठाई मांग; कोविड वैक्सीन पर दिया था विवादित बयान

बेंगलुरु (एजेंसी): कोरोना महामारी एक बार फिर सियासी गलियारों में सुर्खियां बटोर रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने कोविड वैक्सीन को बढ़ते हार्ट अटैक का कारण बताया, जिसे एक्सपर्ट पैनल ने पूरी तरह खारिज कर दिया। वहीं, अब बीजेपी ने सीएम सिद्दरमैया से माफी की मांग की है। सीएम सिद्दरमैया ने कर्नाटक और खासकर हासन में दिल का दौरा पड़ने की वजह कोविड वैक्सीन को बताया था, जिसपर बीजेपी मुखर हो गई है।पैनल ने खारिज किया दावा सीएम सिद्दरमैया के बयान के बाद सरकार ने एक पैनल का गठन किया था, जिसमें इन दांवों को सिरे से खारिज कर दिया है। पैनल का कहना है कि कोविड वैक्सीन से दिल का दौरा पड़ने का कोई सबूत नहीं मिला है। पैनल की रिपोर्ट सामने आने के बाद बीजेपी ने सीएम सिद्दरमैया से माफी मांगने की अपील की है। केंद्रीय मंत्री ने बोला हमला केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सिद्दरमैया को गैर-जिम्मेदार करार देते हुए कहा आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद), एनसीडीसी (राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र) और दिल्ली एम्स जैसे संस्थानों ने इस मामले की जांच की और अपनी रिपोर्ट में साफ कर दिया है कि हार्ट अटैक से होने वाली मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई ताल्लुक नहीं है। सीएम से की माफी की मांग प्रह्लाद जोशी ने कहा, "पैनल ने साफ कहा है कि हार्ट अटैक कोविड वैक्सीन की वजह से नहीं आ रहे हैं। क्या अब सिद्दरमैया माफी मांगेंगे? मैं उनके बयान की कड़ी निंदा करता हूं।" बीजेपी प्रवक्ता ने भी उठाई आवाज बीजेपी के प्रवक्ता डॉक्टर सीएन अश्वत नारायण ने भी सिद्दरमैया की आलोचना की है। नारायण ने कहा- क्या है पूरा मामला? बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने हाल ही में हासन जिले में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में कोविड वैक्सीन को हरी झंडी दिखा दी। इसी वैक्सीन की वजह से अब हार्ट अटैक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल का दौरा पड़ने से कई लोगों की मौत हो चुकी है और इसके पीछे की वजह कोविड वैक्सीन है।

हरियाणा के इस जिले में महिलाओं के लिए चलाई जाएगी अलग बस, विज ने दिए आदेश

अंबाला (एजेंसी): हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि अंबाला से मुलाना तक महिलाओं के लिए अलग से बस चलाई जाए ताकि महिलाओं व कन्याओं को बस में सुगम सफर करने में आसानी हो। मीडिया से बात करते हुए परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला से बहुत सारे लोग मुलाना यूनिवर्सिटी में या उसके आसपास की इंडस्ट्रीज में जाते है। उन्होंने कहा कि उनमें महिलाओं की संख्या भी बहुत ज्यादा है इसलिए मांग हो रही थी कि महिलाओं के लिए एक्सक्लूसिव बस सेवा शुरू की जाए तो वो मैने आदेश देकर शुरू करवा दी है। परिवहन मंत्री अनिल विज के इस फैसले से महिलाएं ही नहीं बल्कि उनके परिवार वाले भी काफी खुश नजर आ रहे है और उसके लिए परिवहन मंत्री अनिल विज का दिल से धन्यवाद भी कर रहे हैं ! जैसे ही परिवहन मंत्री अनिल विज ने महिलाओं के लिए अंबाला से मुलाना के लिए एक्सक्लूसिव बस सेवा शुरू करने के आदेश दिए वैसे ही महिलाओं और युवतियों में खुशी की लहर दौड़ गई। खुशी हो भी क्यों न क्योंकि अब उनके लिए बस में सफर करना आसान हो जाएगा और उनको भीड़ में धक्के भी नहीं खाने पढ़ेंगे और सबसे बड़ी बात जब उनके लिए एक्सक्लूसिव बस सेवा शुरू हो गई है तो उनको ओर उनके परिवार वालों को किसी भी प्रकार की चिंता नहीं होगी ।

बिहार चुनाव से पहले एनडीए में घमासान, चिराग पासवान का बड़ा ऐलान, सभी 243 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

बिहार (एजेंसी): साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में अंदरूनी घमासान मचा हुआ है। अब ठऊअ में शामिल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के एक बयान ने बीजेपी और जेडीयू दोनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। छपरा के राजेंद्र स्टेडियम से चिराग पासवान ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बिहारियों के लिए लड़ूंगा चुनाव चिराग पासवान रविवार को छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी द्वारा आयोजित 'नव-संकल्प महासभा' कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए चिराग ने हुंकार भरते हुए कहा, 'आज सारण की इस पावन धरती से, आप सबके सामने मैं यह कहकर जा रहा हूं कि हां, मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं चुनाव लड़ूंगा बिहारियों के लिए, अपने भाइयों के लिए, अपनी माताओं के लिए, अपनी बहनों के लिए और बिहार में एक ऐसी व्यवस्था तैयार करेंगे, एक ऐसा बिहार बनाएंगे जो सही मायनों में प्रदेश को विकास की राह पर आगे ले जाएगा।' चिराग पासवान शेर का बेटा है, डरने वाला नहीं लोजपा-आर प्रमुख ने इस दौरान अपनी मजबूती और दृढ़ संकल्प भी दिखाया। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरी पार्टी से निकाला गया, घर से निकाला गया, परिवार से निकाला गया और वो लोग सोचते थे कि चिराग पासवान इतना कमजोर है कि इन बातों से डर जाएगा, घबरा जाएगा। पर जो लोग यह सोचते हैं कि इन बातों से चिराग पासवान के बढ़ते कदम रुक जाएंगे, वे लोग भूल जाते हैं कि चिराग पासवान शेर का बेटा है, राम विलास पासवान का बेटा है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं ना रुकने वाला हूं, ना थकने वाला हूं और डरता तो मैं किसी से नहीं हूं। जितनी ताकत आजमानी है आजमा लो। सर पर कफन बांध के निकला हूं कि जब तक बिहार को विकसित राज्य नहीं बना दूंगा तब तक मैं भी चैन की सांस नहीं लूंगा। पर इसके लिए साथियों जरूरत है मुझे आप सब की।' मुझे बिहार आने से रोकने की कोशिश केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग हैं जो नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बिहारी युवाओं को पलायन कर दूसरे राज्यों और देशों में रहने के लिए मजबूर किया, वे उसी तरीके से चाहते हैं कि चिराग पासवान अगर बिहार आ गए तो युवाओं को उनका हक दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि वह महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और मजदूरों के हक की बात करेंगे, इसीलिए ये लोग नहीं चाहते कि चिराग पासवान बिहार आएं। चिराग ने आरोप लगाया कि यही वजह है कि ये लोग षड्यंत्र रचते हैं और भ्रम की स्थिति बनाते हुए बार-बार यह सवाल पूछते हैं कि क्या चिराग पासवान विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे।

ठाकरे ब्रदर्स का 'मिलन'... राजनीतिक गठबंधन की गारंटी नहीं है उद्धव और राज का एक मंच पर होना

मुंबई (एजेंसी): वरली के नेशनल स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स डोम में बनाए गए भव्य मंच पर 20 साल बाद हुईं दो चचेरे भाइयों उद्धव और राज ठाकरे की गलबहियां इस बात की गारंटी कतई नहीं हैं कि आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में शिवसेना उद्धव गुट और मनसे का राजनीतिक गठबंधन भी हो ही जाएगा। भाषा के नाम पर हो रही राजनीति करीब दो माह पहले राज ठाकरे ने फिल्म निर्देशक महेश मांजरेकर को साक्षात्कार देते हुए कहा था कि महाराष्ट्र के हित के सामने हमारे छोटे-मोटे झगड़े कुछ भी नहीं हैं। विधानसभा चुनाव में हुई दुर्गति से पीड़ित उद्धव ठाकरे को राज के इस बयान में अवसर नजर आया और उनकी पूरी पार्टी ने इसे लपक लिया। तभी से उनकी तरफ से राज के साथ संवाद साधने की कोशिश लगातार की जा रही है। इसी बीच महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्राथमिक कक्षाओं में तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाए जाने का आदेश जारी किए जाने के बाद जब राज ठाकरे ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी, तो उद्धव को भी उनके सुर में सुर मिलाना अच्छा लगना ही था। संजय राउत ने राज ठाकरे से बात की थी सरकार के इस निर्णय के विरोध में मुंबई की गिरगांव चौपाटी से आजाद मैदान तक विरोध मार्च निकालने का फैसला भी पहले राज ठाकरे का ही था। बाद में उद्धव के सिपहसालार संजय राउत ने राज ठाकरे से बात करके यह मोर्चा पांच जुलाई को एक साथ निकालने के लिए उन्हें राजी किया। फिर राज्य सरकार द्वारा हिंदी के लिए जारी आदेश वापस लिए जाने के बाद पांच जुलाई को ही जब विजय उत्सव मनाने का फैसला किया गया, तो भी राज ठाकरे ने साफ कह दिया था कि यह विजय उत्सव सिर्फ मराठी और महाराष्ट्र की अस्मिता तक ही सीमित रहेगा। इसमें किसी राजनीतिक दल का झंडा या निशान दिखाई नहीं देगा। राजनीतिक गठबंधन के कोई संकेत नहीं शनिवार को अपने भाषण में भी राज ठाकरे अपनी बात पर कायम रहे और उन्होंने किसी राजनीतिक गठबंधन के कोई संकेत नहीं दिए। लेकिन उनके बाद बोलने खड़े हुए उद्धव ठाकरे ने पूरी रैली को राजनीतिक रंग देते हुए साफ कह दिया कि साथ आए हैं तो साथ ही रहेंगे और मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में सत्ता हथियाएंगे। उद्धव की इस घोषणा के बाद राज ठाकरे के पास प्रतिक्रिया देने का अवसर नहीं था। लेकिन उद्धव के भाषण के बाद दोनों परिवारों के नौनिहालों राज के पुत्र अमित ठाकरे एवं उद्धव के पुत्र आदित्य ठाकरे की भी गलबहियां करवाकर पारिवारिक मनोमिलन का संकेत दिया गया। अगर दोनों भाई एक हुए तो कांग्रेस का क्या हालांकि, ये सारे संकेत इस बात की गारंटी कतई नहीं देते कि आने वाले मुंबई महानगरपालिका चुनाव या अन्य स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों भाइयों में पार्टियों में गठबंधन हो ही जाएगा। इसके पीछे दोनों के अड़ियल रुख के अलावा महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी में नए सदस्य दल को लेकर अरुचि का भाव बड़ा कारण बन सकता है। कांग्रेस इस गठबंधन का बड़ा घटक कांग्रेस इस गठबंधन का बड़ा घटक है। कांग्रेस के किसी भी बड़े नेता का आज की रैली में नजर न आना इस बात का द्योतक है कि एक राष्ट्रीय दल कांग्रेस सिर्फ मराठी भाषा और मराठी अस्मिता के चक्कर में पड़कर अपना मुंबई-ठाणे का गैर मराठी भाषी वोट बैंक गंवाना नहीं चाहती। राज ठाकरे का भी मजबूत जनाधार इसके अलावा मुंबई, ठाणे, नासिक और पुणे के जिन-जिन मराठी बहुल क्षेत्रों पर उद्धव दावा करते हैं, वहीं राज ठाकरे का भी मजबूत जनाधार है।

स्थानीय निकाय चुनावों में दोनों दलों के बीच गठबंधन की कोई गारंटी नहीं शिवसेना उद्धव गुट और मनसे में सीटों का बंटवारा भी आसान नहीं होगा

संपादकीय

घरेलू निवेशकों का वर्चस्व

वैश्विक स्तर पर राजनीतिक अस्थिरता, कई देशों में तनावपूर्ण हालात और आर्थिक अनिश्चितताओं के चलते विदेशी निवेशकों के सतर्क रहने के कारण अप्रैल-जून में भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश 33 फीसद से घट कर 1.69 अरब ड़ॉलर रह गया है। रियल एस्टेट परामर्शदाता कंपनी कोलियर्स इंडिया यह आकलन लगाया है। कोलियर्स इंडिया के आंकड़ों से पता चलता है कि बीते साल अप्रैल-जून में रियल एस्टेट क्षेत्र में जो 253.33 करोड़. ड़ॉलर का संस्थागत निवेश था, वह घट कर 169.12 करोड़ ड़ॉलर रह गया। समीक्षाधीन अवधि में विदेशी निवेशकों से प्राप्त धन प्रवाह 204.68 करोड़. ड़ॉलर से लगभग आधा होकर 104.84 करोड़. ड़ॉलर रह गया। बेशक, भू-राजनीतिक हालात तमाम देशों को प्रभावित कर रहे हैं, और तमाम अर्थव्यवस्थाएं इनसे असरंदोज हो रही हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक हालिया वर्षों में बराबर इतने मजबूत बने रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिदृश्य के घटनाक्रम के असर से ज्यादा प्रभावित नहीं होने पाती। ऐसा ही हमने कोविड़-19 महामारी के समय भी देखा था। उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था को खासा झटका लगा था, लेकिन भारत अपनी आर्थिक गतिविधियों को चलायमान बनाए रख सका तो मात्रइसलिए कि घरेलू मांग शिथिल नहीं पड़ी थी। अभी भी वैश्विक भू-राजनीतिक स्थितियां तमाम देशों पर असर ड़ाल रही हैं और इसी के चलते भारत में रियल एस्टेट क्षेत्र पर भी असर पड़ा है। लेकिन इतने विपरीत हालात में भी भारत के घरेलू निवेश ने रियल एस्टेट को संभाले रखा है। घरेलू निवेशकों का उत्साह बराबर बना रहा और उन्होंने अप्रैल-जून के दौरान 64.28 करोड़. ड़ॉलर का निवेश किया जो पिछले वर्ष की संबद्ध अवधि के 48.65 करोड़. ड़ॉलर से 32 फीसद अधिक है। कह सकते हैं कि घरेलू पूंजी भारत के रियल एस्टेट निवेश में एक प्रमुख चालक के रूप में उभरी है। कुल निवेश में इसकी हिस्सेदारी 2021 के 16 फीसद से बढ़ कर 2024 में 35 फीसद हो गई। घरेलू निवेशकों के प्रभुत्व के चलते अनिश्चतताओं का भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में ज्यादा असर नहीं पड़ने पाया। रियल एस्टेट क्षेत्र के कमजोर न पड़ने के कारण इससे संबद्ध अन्य क्षेत्रों में भी मजबूती बनी रही जो अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी है।

नक्सलवाद या नीतिगत नरसंहार? संविधान की छांव में छुपा सच!

सोनम लववंशी

साल 2025 की पहली छमाही में ही छत्तीसगढ़ के जंगलों से जो खबरें लगातार आ रही हैं, वो किसी भी संवेदनशील नागरिक को विचलित करने के लिए काफी हैं। सरकारी आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि अब तक 287 कथित नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया जा चुका है, 865 ने समर्पण किया और 830 गिरफ्तार किए गए हैं। इन आँकड़ों को एक सतही विजयगाथा की तरह पेश किया जा रहा है जैसे मानो एक बड़ी जीत हासिल हो गई हो। पर क्या सचमुच यह जीत है? और अगर है, तो किसकी? राज्य की? संविधान की? लोकतंत्र की? या फिर उन कॉरपोरेट हितों की जो खनिजों से भरे इन जंगलों की कीमत को खून से तौलना चाहते हैं? छत्तीसगढ़ की धरती केवल प्राकृतिक संसाधनों की भूमि नहीं है, यह सदियों से आदिवासी जीवन, परंपराओं और सांस्कृतिक अस्तित्व की जीवंत गवाही रही है। यहाँ का हर पेड़, हर नदी, हर पहाड़ इन आदिवासियों के जीवन से जुड़ा है। लेकिन अब इन्हीं जंगलों और बस्तियों में, नक्सल उन्मूलन के नाम पर जिस तरह से मौत परोसी जा रही हैं, वह किसी सुरक्षा अभियान से कहीं आगे की कहानी है। यह उस खामोश विनाश की गाथा है जिसे आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन की आड़ में अंजाम दिया जा रहा है।

जिन्हें मारा जा रहा है, उनके शवों के साथ न मीडिया तस्वीरें साझा करता है, न ही अदालतें कोई सुनवाई करती हैं। एके-47 की गोलियों से किसी की संभावित पहचान को नक्सली ठहराकर मिटा देना क्या इस लोकतंत्र में न्याय का नया मानक बन गया है? क्या अब संविधान की प्रस्तावना में लिखी 'न्याय', 'स्वतंत्रता' और 'समता' की अवधारणाएं केवल भाषणों और परीक्षाओं की चीज बनकर रह गई हैं? विडंबना यह है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी महिला बैठी हैं जो प्रतीकात्मक रूप से आदिवासी गौरव का प्रतिनिधित्व करती हैं और उसी समय उन्हीं आदिवासियों को 'राज्य विरोधी' घोषित कर उनका सफाया किया जा रहा है। यह उस विरोधाभास की मिसाल है जो इस राष्ट्र के प्रतीकों और उसकी वास्तविकता के बीच की गहरी खाई को दशार्ता है। यह सवाल सिर्फ छत्तीसगढ़ या किसी एक राजनीतिक दल का नहीं है। यह प्रश्न उस सोच का है, जो मानती है कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र तरीका उसे या तो मार देना है, या हथियार डलवा कर उसे 'आज्ञाकारी' बना देना है। लेकिन यह 'मुख्यधारा' आखिर है क्या? क्या यह वही धारा है जहां जल, जंगल, जमीन पर कॉरपोरेट कब्जा वैध है, लेकिन आदिवासी हक की आवाज 'राष्ट्रविरोधी' हो जाती है? सरकार यह दावा करती है कि वह शांति चाहती है, विकास चाहती है। पर सवाल उठता है अगर पाकिस्तान से युद्धविराम हो सकता है, सीमा पर बातचीत हो सकती है, तो अपने ही देश के नागरिकों से संवाद क्यों असंभव है? अगर नगालैंड, मिजोरम, कश्मीर, असम में राजनीतिक समाधान तलाशे जा सकते हैं, तो बस्तर की घाटियों में केवल गोलियों की गूंज ही क्यों तय कर रही है कि कौन जिएगा और कौन मरेगा? सच यह है कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं रखते, वे इस देश के उस मूल स्वर को दशार्ते हैं जिसे 'लोक' कहते हैं। उनका जीवन सामूहिकता, प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और गहरे आत्म-सम्मान पर आधारित है। लेकिन यह जीवन पद्धति उस नवउदारवादी मॉडल के लिए सबसे बड़ी बाधा है जो जंगल को सिर्फ खनिज मानता है, न कि जीवंत संस्कृति। यही कारण है कि जब कोई आदिवासी अपनी जमीन छोड़ने से मना करता है, तो उसे माओवादी ठहरा दिया जाता है। और यही वह क्षण है जब न्याय के दरवाजे बंद हो जाते हैं, और बंदूकें खुल जाती हैं। आंकड़ों की भाषा में देखें तो 2025 में अब तक 287 लोग मारे गए, लेकिन यह संख्या सिर्फ शरीरों की नहीं, यह 287 परिवारों की बबार्दी, सैकड़ों अनाथ बच्चों की आँखें, और उन गाँवों की खामोश पीड़ा की गिनती है जहाँ जीवन अब केवल डर में बीतता है। ऐसे में यह दावा करना कि नक्सलवाद कमजोर हो रहा है, शायद रणनीतिक हो, लेकिन मानवीय नहीं।

एक सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी कानून व्यवस्था से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर वर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। और जब वह समाज अपने ही नागरिकों की असहमति को हिंसा से कुचलने लगे, तो वह खुद अपनी नींव को खोद रहा होता है। क्या हम सच में यह मानने लगे हैं कि आदिवासी होना ही अपराध है? हमारी चुप्पी इस अपराध में साझेदार है। जब हम मीडिया की एकतरफा खबरों पर विश्वास करके संतोष की सांस लेते हैं, जब हम यह मान लेते हैं कि 'अगर मारा गया तो कुछ न कुछ गड़बड़ की होगी', तब हम उस न्याय प्रक्रिया का गला घोंट रहे होते हैं जिसने हर नागरिक को निर्दोष मानने का अधिकार दिया है जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। अब समय आ गया है कि हम सवाल पूछें खुले, निर्भीक और जिम्मेदार सवाल। क्या यह सच नहीं कि इस पूरे सैन्य अभियान का उद्देश्य सिर्फ सुरक्षा नहीं, बल्कि खनन मार्ग को साफ करना है? क्या यह सच नहीं कि जिन इलाकों में सबसे अधिक संघर्ष हो रहा है, वे वही क्षेत्र हैं जहाँ खनिज संपदा सबसे ज्यादा है?

अगर यह संघर्ष केवल सुरक्षा का होता, तो इसमें संवाद, विश्वास और पुनर्वास की योजना होती। लेकिन जब किसी समाधान की बात ही नहीं होती, जब केवल 'मौत या समर्पण' का विकल्प दिया जाता है, तब यह राज्य की हिंसक इच्छाशक्ति का संकेत है, न कि लोकतांत्रिक मंशा का। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम अपने ही देश के एक पूरे समुदाय को आंतरिक शत्रु मानने की आदत डाल चुके हैं? और अगर हां, तो यह आदत हमें उस दिशा में ले जा रही है जहां लोकतंत्र केवल कागजों पर बचेगा, और जमीन पर तानाशाही का रूप ले लेगा। एक संवेदनशील राष्ट्र वह होता है जो अपने लोगों की पीड़ा को सुने, उनके आक्रोश को समझे और उनकी असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र का हिस्सा माने। छत्तीसगढ़ का सवाल केवल सुरक्षा नीति का नहीं है, यह इस देश की आत्मा का प्रश्न है। अगर हमने इस समय चुप्पी ओढ़ी, तो इतिहास यह नहीं देखेगा कि कितने 'नक्सली' मारे गए बल्कि यह याद रखेगा कि हमने कितनी निर्दोष आवाजों को चुप होते देखा, और कुछ नहीं किया। यह लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक क्षण है। क्या हम बंदूक से शासन चलाएंगे, या संवाद से? क्या हम खामोशी को सुरक्षा मानेंगे, या न्याय को? यह चुनाव सिर्फ छत्तीसगढ़ का नहीं, पूरे भारत का है।

सोशल मीडिया : नया नशा, टूटते रिश्ते और तनाव

प्रियंका सौरभ

आज का समाज ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहां एक तरफ तकनीकी प्रगति ने जीवन को सहज और तेज बना दिया है, वहीं यही तकनीक धीरे-धीरे सामाजिक ताने-बाने को चुपचाप खोखला कर रही है। सोशल मीडिया, जो कभी सूचना और संपर्क का सशक्त माध्यम था, आज ऐसा नशा बन चुका है जिसने परिवार, संबंध और मानसिक स्वास्थ्य, तीनों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

पहले के समय में संवाद का अर्थ था बैठ कर बात करनाङ्क साथ हंसना, रोना, बहस करना और समझना। आज यह सब कुछ 'टाइप' और 'स्क्रॉल' में बदल गया है। बच्चे हों या बुजुर्ग, महिलाएं हों या पुरुष, सबके हाथ में स्मार्टफोन हैं, और निगाहें स्क्रीन पर। कभी जो बातें रसोई, आंगन या बैठक में होती थीं, आज 'स्टेटस अपडेट', 'रील' या 'ट्वीट' में समा गई हैं। जिस रफ्तार से इंटरनेट की पहुंच और स्मार्टफोन का प्रसार हुआ है, उसी रफ्तार से हमारी असल दुनिया सिमटती जा रही है। सोशल मीडिया ने रिश्तों की परिभाषा बदल दी है अब दोस्त वो हैं, जिनके पोस्ट पर हम हार्ट भेजते हैं, परिवार वो है जिसके मैसेज को हमने 'सीन' किया हो, और सुख-दुख वो है जो हमने 'स्टोरी' पर साझा किया हो। बच्चे अब खेल के मैदान में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर 'गेमिंग' कर रहे हैं। स्कूल से लौट कर मांझबाप से बात करने की बजाय इंस्टाग्राम खोलते हैं। किशोरावस्था, जो कभी आत्म-अन्वेषण और सामाजिक अनुभवों का समय हुआ करता था, आज सेल्फी, फिल्टर और वर्चुअल पहचान की दौड़ में उलझ गया है।

सोशल मीडिया के इस अति-उपयोग ने ऐसा द्वंद्व पैदा किया है जहां व्यक्ति दिखने में बहुत व्यस्त है पर भीतर से बेहद अकेला है। रिश्ते जो कभी जीवन का आधार होते थे, अब 'टैग' और 'मेंशन' में बदल चुके हैं। पति-पत्नी एक ही छत के नीचे रहते हैं, लेकिन बातचीत व्हाट्सएप पर होती है। मां-बाप बच्चों को खाना परोसते हैं, और बच्चे खाने से पहले उसकी तस्वीर खींच कर पोस्ट करते हैं। यह आदत लत बन चुकी है। सुबह उठते ही सोशल मीडिया चेक करना, रात को सोने से पहले स्क्रॉल करना, हर क्षण को लाइव करना या कम से कम फोन में कैद करना। यह व्यवहार अब केवल समय की बबार्दी नहीं, बल्कि मानसिक विकारों का बीज भी बन चुका है।

डिजिटल लाइफस्टाइल ने न केवल नींद, आहार, एकाग्रता को प्रभावित किया है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डाला है। सोशल मीडिया पर दिखने वाली 'परफेक्ट जिंदगी' का निरंतर सामना आम इंसान को हीन भावना से भर देता है। दूसरों की सफलताङ्क सुंदरता, यात्रा और जीवनशैली की तस्वीरें देख कर व्यक्ति अपने जीवन को तुच्छ समझने लगता है। यही वह क्षण होता है जब तनाव, अवसाद और आत्मग्लानि जैसे विकार जन्म लेने लगते हैं। खासकर किशोरों और युवाओं में यह प्रभाव और भी तीव्र है। सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स ने आत्ममूल्यांकन का नया पैमाना बना दिया है। एक पोस्ट पर कम लाइक आए तो आत्म-सम्मान को ठेस लगती है, ट्रोलिंग हो जाए तो महीनों तक अवसाद की स्थिति बनी रहती है।

इस प्लेटफॉर्म पर 'फेक आईडेंटिटी' और 'वर्चुअल ग्लैमर' का जाल इतना घना हो गया है कि लोग वास्तविकता से कटते जा रहे हैं। एक तरफ जहां व्यक्ति दूसरों को दिखाने के लिए महंगे कपड़े, कारें और कैफे में फोटो पोस्ट करता है, वहीं असल जिंदगी में वह कर्ज और तनाव से घिरा होता है। परिवारों में संवाद की जगह अब संदेह, दूरी और झगड़े ने ले ली है। शादीशुदा जिंदगियों में सोशल मीडिया पर गैरजरूरी बातचीत और अफेयर्स ने तलाक के मामलों में वृद्धि की है। बच्चों में चिड़िचड़ापन, सोशल आइसोलेशन और एकांतप्रियता बढ़ी है। बुजुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित महसूस करते हैं क्योंकि बच्चे मोबाइल में खोए रहते हैं। सोशल मीडिया पर झूठे आदर्शों और हानिकारक कंटेंट की भरमार भी है। लड़िकयों को परफेक्ट फिगर के दबाव में डाला जाता है, युवाओं को सफलता के झूठे मॉडल दिखा कर भ्रमित किया जाता है, और छोटे बच्चे हिंसक या भ्रामक गेम्स में उलझ जाते हैं। सोशल मीडिया का नया नशा तभी टूटेगा जब हम आत्मनियंत्रण, संवाद और समझदारी से इसे अपनाएंगे।

चिंतन-मनन

जीवन और मृत्यु

चीन में लाओत्से के समय में ऐसी प्रचलित धारण थी कि आदमी के शरीर में नौ छेद होते हैं। उन्हीं नौ छेदों से जीवन प्रवेश करता है और उन्हीं से बाहर निकलता है। दो आंखें, दो नाक के छेद, मुंह, दो कान, जननेंद्रिय, गुदा। इसके साथ चार अंग हैं- दो हाथ और दो पैर। सब मिला कर तेरह। यही तेरह अंग जीवन के साथी हैं और मृत्यु के भी साथी हैं। यही तेरह जीवन में लाते हैं और यही जीवन से बाहर ले जाते हैं। तेरह का मतलब यह पूरा शरीर। इन्हीं से तुम भोजन करते हो; इन्हीं से जीवन पाते हो; इन्हीं से उठते-बैठते और चलते हो। यही तुम्हारे स्वास्थ्य का आधार हैं और यही मृत्यु का भी आधार होंगे। क्योंकि जीवन और मृत्यु एक ही चीज के दो नाम हैं। इन्हीं से जीवन तुम्हारे नाम आएगा, इन्हीं से बाहर जाएगा। इन्हीं से शरीर के भीतर खड़े हो। इन्हीं के साथ शरीर टूटेगा, इनके द्वारा ही टूटेगा।

हैरानी की बात है। यही तुम्हें संभालते हैं और यही मिटाएंगें। भोजन तुम्हें जीवन देता है, शक्ति देता है और भोजन की शक्ति से अपने भीतर की मृत्यु को बड़ा किये चले जाते हो। भोजन तुम्हें बुढ़ापे तक पहुंचा देगा, मृत्यु तक पहुंचा देगा। आंख, नाक, कान से जीवन की श्वास भीतर आती है। उन्हीं से बाहर जाती है। नौ द्वार और चार अंग। लाओत्से कहता है- तेरह ही जीवन के साथी, तेरह ही मौत के साथी। ये तेरह ही ले जाते हैं।

अगर तुम सजग हो जाओ तो तुम चौदहवें हो। इन तेरह के पार हो। इस तेरह की संख्या के कारण चीन और फिर धीरे-धीरे सारी दुनिया में, तेरह का आंकड़ा अपशकुन हो गया। इस सुपरस्टीशन की पैदाइश चीन में हुई। अमेरिका में होटलों में तेरह नंबर का कमरा नहीं होता; तेरह नंबर की मंजिल भी नहीं होती। क्योंकि कोई तेरह नंबर पर ठहरने को राजी नहीं है। तेरह शब्द से ही घबराहट होती है। बारह नंबर के कमरे के बाद चौदह नंबर आता है। असल में होता तो वह तेरहवां ही है, लेकिन जो ठहरता है, उसे चौदह याद रहता है। तेरह की चिंता नही पकड़ती।

चीन में बड़े अर्थपूर्ण कारण से यह विश्वास फैला। तेरह अपशकुन है। तुम चौदहवें हो और तुम्हें चौदहवें का कोई पता भी नहीं। तुम न जीवन हो, न मौत। तुम दोनो के पार हो। अगर इन तेरह के प्रति सजग हो जाओगे, पृथक हूं, मै अन्य हूं। शरीर और, मैं और। और यह जो भीतर भिन्नता, शरीर से अलग चैतन्य का अविर्भाव होगा, इसकी न कोई मृत्यु है, न कोई जीवन है। यह न कभी पैदा हुआ, न कभी मरेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

लिथियम की होड़ में भारत-चीन आमने-सामने, अर्जेंटीना बना रणनीतिक रणभूमि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना की द्विपक्षीय यात्रा दोनों देशों के आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने की दृष्टि से तो महत्वपूर्ण है ही साथ ही इस यात्रा का एक और बड़ा रणनीतिक असर होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में लैटिन अमेरिका और एशिया के देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक रिश्ते गहराते जा रहे हैं। अर्जेंटीना और चीन के संबंध इसी उभरते भू-राजनीतिक समीकरण का हिस्सा हैं। बीते एक दशक में अर्जेंटीना ने चीन के साथ अपने व्यापारिक, निवेश, और कूटनीतिक संबंधों को अत्यंत मजबूत किया है। यह संबंध न केवल क्षेत्रीय रणनीति को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि भारत के लिए भी कई अवसर और चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि चीन अर्जेंटीना का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। दोनों देशों ने कृषि, अवसंरचना, ऊर्जा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में कई समझौते किए हैं। चीन अर्जेंटीना से बड़ी मात्रा में सोयाबीन, मांस और कृषि उत्पाद आयात करता है। साथ ही चीन ने अर्जेंटीना में जलविद्युत परियोजनाओं और परमाणु संयंत्रों में भारी निवेश किया है। यही नहीं, अर्जेंटीना वर्ष 2022 में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव BRI में शामिल हुआ, जिससे चीन की लैटिन अमेरिका में रणनीतिक उपस्थिति और गहराई। एक खास बात और है कि अर्जेंटीना 'लिथियम ट्रायंगल' का हिस्सा है और चीन ने वहां की कई लिथियम परियोजनाओं में निवेश कर रखा है।

चीन का अर्जेंटीना में गहराता प्रभाव भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से चिंता का विषय है, खासकर जब चीन की नीति Global South के देशों में कर्ज और निवेश के माध्यम से प्रभाव बढ़ाने की रही है। यहां यह भी काबिलेगौर है कि भारत इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण के लिए लिथियम पर निर्भर है। अर्जेंटीना में चीन की बढ़ती हिस्सेदारी इस महत्वपूर्ण खनिज की वैश्विक आपूर्ति में भारत को पीछे धकेल सकती है। इसलिए भारत अर्जेंटीना के साथ अपने संबंधों को मजबूती देना चाहता है, लेकिन चीन की पहले से मौजूदगी भारत की कूटनीतिक पहुंच को सीमित कर सकती है। लेकिन भारत के ग्लोबल साउथ को जोड़ने की नीति अर्जेंटीना जैसे देशों में स्वीकार्यता पा रही है।

देखा जाये तो भारत और चीन दोनों ही अर्जेंटीना को एक बड़ा कृषि, औद्योगिक और खनिज स्रोत मानते हैं। हालांकि चीन का आक्रामक निवेश मॉडल भारत के लिए प्रतिस्पर्धा को कठिन बना देता है, खासकर तब जब भारत सतर्क और स्थिर निवेश नीति पर चलता है। सवाल उठता है कि भारत की रणनीतिक दिशा क्या होनी चाहिए? इसका जवाब यह हो सकता है कि भारत को अर्जेंटीना सहित लैटिन अमेरिका के देशों में उच्च स्तरीय राजनीतिक और व्यापारिक संवाद को और गहरा करना होगा। साथ ही अर्जेंटीना में लिथियम जैसे संसाधनों के लिए भारत को चीन के समानांतर रणनीतिक साझेदारियाँ बनानी होंगी। इसके अलावा, 'सॉफ्ट पावर' के माध्यम से भारत अर्जेंटीना में अपनी पहचान मजबूत कर सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अर्जेंटीना दौरे में देखने को आया कि भारत जिन उद्देश्यों और लक्ष्यों को लेकर चल रहा है उसमें सही रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। वैसे भी हाल के वर्षों में भारत और अर्जेंटीना के द्विपक्षीय संबंध ऐतिहासिक, कूटनीतिक और आर्थिक दृष्टि से लगातार प्रगाढ़ हुए हैं। ये संबंध केवल व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि, खेल और संस्कृति जैसे विविध क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग का आधार बनते जा रहे हैं। हम आपको बता दें कि भारत और अर्जेंटीना के बीच औपचारिक राजनयिक संबंध 1949 में स्थापित हुए थे। दोनों देश वैश्विक मंचों पर समान विचार साझा करते हैंझ जैसे बहुपक्षवाद, जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद विरोध और Global South की आवाज को सशक्त बनाना। पिछले दो दशकों में दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय राजनीतिक यात्राएं, व्यापारिक समझौते और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री की इस यात्रा के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गौर करें तो आपको बता दें कि दोनों देशों ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सहयोग को लेकर सहमति जताई। साथ ही अर्जेंटीना चूंकि Lithium Triangle का हिस्सा है और भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लिए लिथियम एक प्रमुख संसाधन है, इसलिए प्रधानमंत्री की यात्रा में लिथियम आपूर्ति के समझौते बेहद अहम रहे। इसके अलावा, अर्जेंटीना कृषि विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में उन्नत है इसलिए भारत ने कृषि क्षेत्र में सहयोग की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। साथ ही दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ाने पर जोर दिया, विशेषकर आईटी, फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर में निवेश को प्रोत्साहन देने पर सहमति हुई।

आगे की संभावनाओं पर गौर करें तो कहा जा सकता है कि भारत-अर्जेंटीना संबंध आने वाले वर्षों में और अधिक सुदृढ़ हो सकते हैं, विशेषकर नवीकरणीय ऊर्जा, खासकर सौर और पवन ऊर्जा में। इसके अलावा, छात्र विनिमय कार्यक्रम और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी से शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग और बढ़ने की संभावना है। साथ ही अर्जेंटीना की फुटबॉल विरासत और भारत की सांस्कृतिक विविधता के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भी अपार संभावनाएं हैं।

बहरहाल, कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अर्जेंटीना यात्रा भारत की "Act Global" कूटनीतिक नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के बीच सहयोग के नए द्वार खोले हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को और सुदृढ़ किया है। अर्जेंटीना जैसे लैटिन अमेरिकी देशों के साथ भारत के संबंधों की सुदृढ़ता न केवल आपसी सहयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि वैश्विक संतुलन की दिशा में एक सकारात्मक कदम भी है।

मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी राजनीतिज्ञ थे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी:- सुरमित गुप्त एडवोकेट

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्मा:- भारतीय जनता पार्टी के द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। जिसमें मुख्य वक्ता भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुरमित कुमार गुप्त एडवोकेट ने कहा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग बनाना चाहते थे। उस समय जम्मू कश्मीर का अलग झण्डा और अलग संविधान था। वहाँ का मुख्यमन्त्री (वजीरे-आजम) अर्थात प्रधानमन्त्री कहलाता था। संसद में अपने भाषण में डॉ॰ मुखर्जी ने धारा-370 को समाप्त करने की भी जोरदार वकालत की। अगस्त 1952 में जम्मू की विशाल रैली में उन्होंने अपना संकल्प व्यक्त किया था कि या तो मैं आपको भारतीय संविधान प्राप्त कराऊँगा या फिर इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये अपना जीवन बलिदान कर दूँगा। उन्होंने तात्कालिन नेहरू सरकार को चुनौती दी तथा अपने दृढ़ निश्चय पर अटल रहे। अपने संकल्प को पूरा करने के लिये वे 1953 में बिना परमिट लिये जम्मू कश्मीर की यात्रा पर निकल पड़े। वहाँ पहुँचते ही उन्हें गिरफ्तार कर नजरबन्द कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गयी।डॉ. मुखर्जी ने एक नई पार्टी अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ के नाम से बनायी। एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे' के नारे गांव गांव में गूंजने लगे। भारतीय जनसंघ ने इस आंदोलन को समर्थन दिया। डॉ. मुखर्जी ने अध्यक्ष होने के नाते स्वयं इस आंदोलन में भाग लेकर बिना अनुमति पत्र जम्मू कश्मीर में जाने का निश्चय किया। भारतीय जनसंघ जो कि बाद में भाजपा बनी और आज विश्व में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है।डॉ. मुखर्जी के पद चिन्हों पर चलते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब से देश की बागडोर अपने हाथों में ली है, तब से भारतीय संस्कृति की शिक्षा को आधार मानते हुए सारे विश्व में इसके प्रसार के लिए वे 'अग्रदूत' की भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। श्री मोदी न केवल भारतीय संस्कृति के ज्ञान को माध्यम बनाकर विश्व समुदाय को जीवन जीने का नवीन मार्ग बता रहे हैं, बल्कि भारत को एक बार फिर जगत गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस दृष्टिकोण को श्री मोदी ने 'माय आइडिया ऑफ इंडिया' के रूप में कई बार संसार के समक्ष भी रखा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से फतेह सिंह खड़कवंशी एडवोकेट, विजय पारछा, आदि लोग मौजूद रहें।

चाप कॉर्नर की दुकान पर दबंगों ने की तोड़फोड़,घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

रजबपुर/अमरोहा(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में कुछ दबंग लोगों ने चाप कॉर्नर की दुकान में तोड़फोड़ करते हुए मारपीट की और दुकान स्वामी का हजारों रुपए का नुकसान कर दिया।घटना का वीडियो वहीं पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।इसके बाद पीड़ित युवक ने थाने में तहरीर देकर दबंग के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला थाना रझबपुर थाना क्षेत्र के गांव जलालपुर कलां का है जहां पर गजरौला कोतवाली नगर के मोहल्ला बसंत विहार निवासी मोहित अपनी चाप कॉर्नर की दुकान चलाता है इसके अलावा उस दुकान में मोहित ने समोसे व अन्य सामान का भी काम कर रखा है। रविवार की शाम मोहित की दुकान पर कुछ अज्ञात दबंग लोगों ने पहुंचकर दुकान में तोड़फोड़ करनी शुरू कर दी साथ ही उसके साथ मारपीट भी की और वहां से फरार हो गए। दबंगों द्वारा की गई तोड़फोड़ का वीडियो वहीं पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटना के बाद दुकान स्वामी मोहित ने रजबपुर थाने में दबंग लोगों के खिलाफ तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वहीं मोहित का कहना है कि इस घटना से उसका हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

धनौरा रोड पर एसिड से भरा ट्रक पलटा,हाई टेंशन लाइन से टकराया, लगी आग

हादसे में ट्रक के परिचालक की जलकर हुई मौत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र की धनोरा रोड पर शनिवार को दिल दहला देने वाली घटना हो गई। जिसमें पहले तो एसिड से भरा एक तेज रफ्तार ट्रक रोड पर पलट गया इसके बाद वह हाई टेंशन लाइन से जा टकराया,जिसके बाद ट्रक में इतनी भयानक आग लगी कि आग ने क्षेत्र में तूफान मचा दिया। इस हादसे में ट्रक के परिचालक की जलकर मौत हो गई। आग इतनी भयानक थी कि क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। उधर आग की चपेट में आने से कई दुकानें भी जलकर खाक हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार.. एसिड से भरा ट्रक मुंबई से रामपुर डिस्टलरी के लिए जा रहा था। बता दें कि यह पूरा घटनाक्रम गजरौला कोतवाली क्षेत्र की कुमराला चौकी के निकट हुआ। जहां एक एसिड से भरा तेज रफ्तार ट्रक अचानक नियंत्रित होकर पलट गया और ऊपर से गुजर रही है टेंशन लाइन से जा टकराया इसके बाद ट्रक में भयंकर आग लग गई आग इतनी भयंकर थी कि आसपास की दुकान भी जलकर राख हो गई ।आग लगने से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई लोग इधर-उधर भागने लगे। उधर इस भयंकर हादसे की सूचना पुलिस को लगी तो पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। हादसे की सूचना दमकल विभाग को दी गई आनन-फानन में दमकल विभाग की भी कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई,जिन्होंने कड़ी मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और इस हादसे में ट्रक के परिचालक की जलकर मौत हो गई। आग इतनी विकराल थी कि कोई उसे बचा नहीं सका,उधर ट्रक से निकली आग की लपटों ने आसपास की अस्थाई दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया इससे पहले की लोग कुछ समझ पाते उससे पहले ही दुकानों में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया।आग के विकराल और भयंकर होने के कारण राहत कार्य भी देर से शुरू हुआ ।सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू तो पा लिया लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। इस हादसे के कारण धनोरा रोड पर यातायात भी कई घंटों तक बाधित रहा। हादसे के बाद चारों तरफ लगी लोगों की भारी भीड़ हादसे को अचंभित होकर देख रही थी,जिनमें भय का माहौल था। उधर इस हादसे में मृतक युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

धनौरा में मौहर्रम पर गूंजे 'या हुसैन' अखाड़े, और लंगर के साथ निकाले गये ताजिये

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंह:- मंडी धनौरा में मोहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मोहर्रम का त्यौहार मनाया। इस दौरान क्षेत्र में कई जगहों पर लंगर के साथ ताजिये निकाले गए। उधर क्षेत्रीय पुलिस भी सुरक्षा व्यवस्था बनाने हेतु पूरी तरह मुस्तैद रही। बता दें कि रविवार को मोहर्रम के अवसर पर मंडी धनोरा एवं क्षेत्र के गांव चुचेला कलां,व गजरौला में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहर्रम के पर्व को बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मोहर्रम के पर्व को अपनी श्रद्धा और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया।मंडी धनोरा क्षेत्र के गांव चुचैला कलां में मोहर्रम के अवसर पर शनिवार व रविवार के मध्य रात्रि मेहंदी का ताजिया निकाला गया ,इसके बाद रस्म और अखाड़ों का आयोजन हुआ, जिसमें युवाओं ने एक से बढ़कर एक करतब दिखाएं, वहीं शहर भर में लोगों के लिए लंगर और ठंडे पानी शरबत की सबीलें लगाई गई। मेहंदी का जुलूस इमामबाड़ा से शुरू होकर पूरे गांव में निकाल गया और वापस इमामबाड़ा पहुंचा जहां सुबह के समय फतिया के साथ इसका समापन कराया गया। देर रात तक चले इस जुलूस में आलम शामिल हुए जिनमें अलमदारों की पगड़ी बांधकर हौसला अफजाई की गई ।मोहर्रम की दसवीं तारीख को ताजिया का जुलूस निकाला गया जिन्हें बाद में कर्बला में सुपुर्द ए खाक देखा किया जाएगा।समाज के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन की याद में मातम किया। उधर गजरौला में भी मोहर्रम के अवसर पर समाज के लोगों ने संपूर्ण नगर में ताजीये बनाकर उत्साह और हर्षोल्लाह के साथ जुलूस निकाले जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। मोहर्रम के अवसर पर नगर में मेले का आयोजन भी कराया गया। इस दौरान पुलिस प्रशासन भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया।

श्री राम पिता के वचनों का पालन करने के लिए चौदह वर्ष के लिए वन मे रहे:- पंडित छवि नाथ दुबे

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के मुख्य प्रबंधक महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि महाराज द्वारा आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव एवं श्री राम कथा के पांचवे दिन बनारस से आए कथा के व्यास पंडित छवि नाथ दुबे ने कहा कि बनवास के लिए जाते समय श्री राम के मना करने पर भी सीता जी ने श्री राम के साथ जाकर समाज को संदेश दिया कि पत्नी का धर्म है कि संकट के समय पति का साथ देना चाहिए। पत्नी का सबसे बड़ा धर्म है पति की निष्काम भाव से सेवा करना। ऐसा करने से धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। आगे जब भरत लाल को पता लगता है कि श्री राम पिता के वचनों का पालन करने के लिए चौदह वर्ष के लिए वन को चले गए हैं। वशिष्ठ मुनि भरत जी से कहते हैं तुम राज काज संभालो तो भरत जी इसके लिए तैयार नहीं होते और श्री राम को वापस अयोध्या लाने के लिए परिवार के साथ वन में चित्रकूट में निवास कर रहे श्री राम के पास जाकर वापस अयोध्या लौटने की प्रार्थना करते हैं । राम के मना करने पर उनकी आज्ञा लेकर सिंहासन पर श्री राम की चरण पादुका को स्थापित करके उनकी पूजा करके स्वयं नीचे आसान पर बैठकर चौदह वर्ष तक अयोध्या का राजकाज चलाते हैं। भरत के जीवन में किसी तरह का लोभ मोह नहीं है। भरत के चरित्र का अनुसरण करके परिवारों में सामंजस्य बनाया जा सकता है। श्री राम चरित मानस हमें परिवार में परस्पर कर्तव्यों की शिक्षा देने का कार्य करती है। जिसका अनुसरण करके परिवारों में स्वर्ग का वातावरण बनाया जा सकता है। इस अवसर पर संगीत की टोली ने वाद्य यंत्रों के साथ धार्मिक गीत एवं भजन गाकर बातावरण को भक्ति मय कर दिया। इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, महिपाल सिंह चौहान, देवेंद्र शर्मा , आश्रम परिवार से महंत श्री राजेंद्र मुनि महाराज, केशव मुनि, प्रवेश मुनि, स्वामी प्रभा मुनि, छवि मुनि, कृष्ण मुनि, ब्रह्मचारी मुनि, कमलेश मुनि, समय सिंह, उमेश चंद्र, सर्वेश ठाकुर, रक्षपाल सिंह, उमेश शर्मा, हरशरन सिंह, दीपक महंत, देवराज सिंह, आदि अनेकों संत महंत एवं भारी संख्या में क्षेत्र वासी मौजूद रहे।

सुभासपा की समीक्षा बैठक का आयोजन कर दिया गया चुनावी रणनीति पर जोर

अमरोहा (सब का सपना) :- सुभासपा जिला कार्यालय पर पार्टी की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कार्यकताओं से कहा कि पंचायत चुनाव नजदीक हैं ऐसे में सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी पंचायत चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी और हर बूथ पर मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क और गांव स्तर पर कमेटियां बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने कार्यकताओं को निर्देश दिये कि वे घर-घर जाकर पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक लोग पार्टी से जुड़ सकें। बैठक से पूर्व लक्खी शाह बंजारा की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि कर उनके बलिदान को याद किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि लक्खी शाह बंजारा 17वीं शताब्दी के महान व्यापारी और वीर योद्धा थे। उनका जन्म 1580 में हुआ था और वे दिल्ली में रहते थे। 1675 में जब औरंगजेब ने सिख धर्मगुरु गुरु तेग बहादुर जी को शहीद किया तब लक्खी शाह बंजारा ने गुरु का पार्थिव शरीर चांदनी चौक से अपने घर लाकर अंतिम संस्कार किया। इस दौरान उन्होंने अपने घर और संपत्ति को भी जला दिया ताकि औरंगजेब के सैनिकों को धोखा दिया जा सके। उनकी यह वीरता और निस्वार्थ त्याग आज भी सिख इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, जगत सिंह गुर्जर जिला महासचिव,आदेश अमरोही कोषाध्यक्ष, युनुस सैफी प्रधान, रमेश चौहान जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा, जसवीर सिंह चौहान जिला उपाध्यक्ष, मोहम्मद शफी जिला उपाध्यक्ष,बाबू राम पाल जिला उपाध्यक्ष, जितेंद्र राणा ब्लॉक अध्यक्ष गजरौला, चन्द्र पाल सिंह विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर, रामगोपाल जाटव,लोकेश चौधरी प्रदेश महासचिव, नीटू जाटव जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा, चन्द्र प्रकाश सैनी तहसील अध्यक्ष हसनपुर, अतिकुर रहमान मंडल महासचिव, पदम सिंह ब्लॉक अध्यक्ष अमरोहा आदि मौजूद रहे

ड्रोन पायलट दीदियों को मिला सम्मान, पहली महिला ड्रोन पायलट बनीं अमरोहा की अर्चना सक्सेना

अमरोहा (सब का सपना):- इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सहकारिता मंत्रालय की चौथी वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम, 266 दीदियों को दिए गए प्रमाण पत्र, मंत्रियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान में भागीदारी का किया आह्वान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में सहकारिता मंत्रालय के स्वतंत्र गठन की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर सहकारिता विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारिता मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने की, जबकि विशेष अतिथि वन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना रहे। कार्यक्रम में प्रदेशभर की 266 ड्रोन पायलट दीदियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस दौरान अमरोहा जिले की 12 महिलाओं का चयन विशेष प्रशिक्षण हेतु हुआ, जिनमें ग्राम जमना खास की सहयोगिनी स्वयं सहायता समूह की सदस्य अर्चना सक्सेना को प्रदेश की पहली महिला ड्रोन पायलट के रूप में सम्मानित किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र, मोमेंटो तथा ड्रोन पायलट लाइसेंस भेंट किया गया। अमरोहा की अन्य चयनित ड्रोन दीदियों में रीता देवी (बांकीपुर), प्रेमलता (हादीपुर), मोनिका (खेतापुर), कुंती, चांदनी और वीरवती प्रमुख रहीं। मौके पर सहकारिता विभाग विकास भवन के एडीसीओ श्री उमेश कुमार, मनस्वी संस्था अमरोहा के सचिव नसीम आजाद एडवोकेट समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सहकारिता मंत्री जे.पी.एस. राठौर ने कहा कि ड्रोन तकनीक ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है और इससे उनके लिए नए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वन मंत्री श्री अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक सिद्ध होगा। दोनों मंत्रियों ने सभी प्रतिभागियों से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सहभागी बनने की अपील की, जिससे अधिकाधिक वृक्षारोपण कर वैश्विक तापमान को नियंत्रित किया जा सके।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर भाजपा कार्यकताओं ने किया राष्ट्रनायक को नमन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भाजपा नेता अर्पण गुप्ता के निवास स्थान, बूथ संख्या 61 हसनपुर मंडल, पर कल रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा और राष्ट्रभक्ति के भाव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं भाजपा के पूर्व पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन आईटी संयोजक एवं पूर्व शक्ति केंद्र प्रभारी अर्पण गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहुत लोकप्रिय जनप्रिय हसनपुर की आन वान शान नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे। उनका बलिदान ह्यएक राष्ट्र, एक संविधान की नींव है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हरि सिंह सैनी ने उन्हें भारत का असली सपूत बताते हुए कहा, उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता के समय थे। पूर्व मंडल अध्यक्ष अतुल गर्ग ने कहा, जिन्होंने धारा 370 का विरोध करके देश की एकता की आवाज बुलंद की, ऐसे नेता को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके बताए रास्ते पर चलें। पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष संजय सहदेव, जिला विधि प्रकोष्ठ सुरमित गुप्ता एडवोकेट, जिला महामंत्री महिला मोर्चा उमा नगर एवं जिला कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता ने भी डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र के प्रति योगदान को याद किया और युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। सभी उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने "श्यामा प्रसाद अमर रहें" और "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के नारों से वातावरण को राष्ट्रभक्ति से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम के समापन पर सभी ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्र की एकता-अखंडता की शपथ ली। इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी, पूर्व पालिका अध्यक्ष हरि सिंह सैनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुकेश गुप्ता एवं अतुल गर्ग, विधि प्रकोष्ठ सुरमित गुप्ता,गिरधारी लाल सैनी जी, आईटी संयोजक अर्पण गुप्ता, भाजपा जिला महामंत्री महिला मोर्चा उमा नगर, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष संजय सहदेव, भाजपा नेता शक्ति केंद्र संयोजक विक्रांत शर्मा, चीनी मिल डायरेक्टर सत्येंद्र त्यागी, रोटरी क्लब हसनपुर अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, जिला कार्यकारिणी सदस्य सचिन गुप्ता, पूर्व मंडल महामंत्री संजय टाटा, पूर्व मंडल कोषाध्यक्ष देवेंद्र सैनी, पूर्व शक्ति केंद्र संयोजक विजय शर्मा, शक्ति केंद्र संयोजक- शुभम अग्रवाल,विजय लोधी, धर्मेंद्र सिंह एवं अवनीश कुमार, पूर्व मंडल उपाध्यक्ष भरत लाल प्रजापति, सभासद शुभम अग्रवाल, बहन सुषमा त्यागी एवं रमा यादव, कृष्ण कुमार, लोकेश अग्रवाल, अरुण सिंह आदि कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

उझारी में 10 मोहर्रम के जुलूस में किया अजादारों ने छुरियों का मातम

कर्बला में दफनाए गए ताजिए

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- नगर में 10 मोहर्रम का जुलूस अपने रिवायती अंदाज में निकाला गया। अजादारों ने छुरियों का मातम कर, खुद को लहू लुहान कर लिया। कर्बला में पहुंचकर ताजियों को दफनाया गया। कस्बा उझारी के मोहल्ला सादात स्थित इमामबारगाहे बाबुल हवाईज में जुलूस से पूर्व मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस में मर्सियाख्वानी मंजूर उल हसन और उनके साथियों ने की। मजलिस को खिताब फरमाते हुए मौलाना हसन हैदर नौगांवी ने वाक्याते कर्बला पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए इमाम हुसैन की शहादत बयान की। जिसे सुनकर आजादर दहाड़े मार-मार कर रो रहे थे। मजलिस के बाद जुलूस प्रारंभ हुआ और यह जुलूस नोहा ख्वानी व सीनाजनी करते हुए हुसैनी चौक होता हुआ इमामबारगाहे अबू तालिब पहुंचा। वहां पर मोहल्ला अंसारियां और गोल इमामबाड़े का जुलूस भी इसमें शामिल हो गया। लोग ताजिए उठाकर मर्सिया पढ़ते हुए हुसैनी चौक, चांदनी चौक, भाटो वाला कुआं पर पहुंचे। वहां पर लक्कड़ शाह के इमामबाड़े का ताजिया भी इसी जुलूस में शामिल हो गया। भाटो वाले कुएं से नोहा ख्वानी, सीनाजनी और छुरियों का मातम प्रारंभ हो गया। यहां से जुलूस मैन मार्केट, पुलिस चौकी, मदरसा चौक, कायस्थान, टीपू चौक, बस स्टैंड होता हुआ कर्बला में पहुंचा और ताजियों को दफना दिया गया। जुलूस में लोग नंगे पैर, नंगे सिर और काले कपड़े पहने हुए थे। हाथों में लाल, हरे और काले रंग के अलम उठाए हुए थे। जुलूस में अकबर मेहंदी, मौ० जामिन, मौ० रजा बाकरी, कल्बे अब्बास आदि ने नौहा ख्वानी की। जुलूस में मुख्य रूप से नूरुल हसन, जावेद केसर, शाने असगर, आफाक हुसैन बाकरी, चमन हैदर बाकरी, फहीम महल, हकीम चमन, सुल्तान मुस्तफा, रीहान मुस्तफा, कोकब इक्तदार, ज़िल्ले सिब्तैन, कुंवल अदनान महल, डा शहरोज, अलाउद्दीन सैफी, बिलाल बाकरी, चन्द्रपाल सैनी, कमर मेहंदी, हुसैन मेहंदी, चौ० बुध्दन, चौ० बब्बी, चौ० वसीम वारसी, जफर अब्बास, नासिर एड, मुस्तजाब एड, आदिल जैदी, मोहम्मद सादिक, अली चांद, सोहेल अब्बास, मौ०,राहिल, मौ०अयाज, इब्ने अब्बास, मौ० अब्बास, यावर अब्बास, रहबर अब्बास, डॉ राशिद, सुल्तान हैदर, बंदे हसन, मेहंदी हसन आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती पर संगोष्ठी का किया गया आयोजन

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- आदमपुर मंडल के शिक्षा भारती इंटर कॉलेज, रहरा में भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और कश्मीर एकीकरण के अमर बलिदानी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के पावन अवसर पर एक गरिमापूर्ण व्यक्तित्व एवं संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान और उनके सिद्धांतों को स्मरण करने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका चेयरमैन धनोरा प्रवीण अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर आदमपुर मंडल महामंत्री और कार्यक्रम संयोजक हरद्वारी सिंह खड्गवंशी भी उनके साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने एक साथ मिलकर इन महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन दर्शन, उनके राष्ट्रवादी विचारों और कश्मीर के भारत में पूर्ण विलय के लिए उनके बलिदान को जन-जन तक पहुंचाना था। वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के सिद्धांतों और उनके दूरदर्शी नेतृत्व पर प्रकाश डाला। जिन्होंने भारतीय राजनीति और समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना के पीछे के उद्देश्यों और देश की एकता और अखंडता के लिए उनके अथक प्रयासों पर भी विस्तृत चर्चा की। डॉ. मुखर्जी ने हमेशा एक मजबूत और एकीकृत भारत की कल्पना की थी। उनका मानना था कि भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता को बनाए रखते हुए राष्ट्रीय एकता को सर्वोपरि रखना आवश्यक है। कश्मीर के संबंध में उनकी अटल विचारधारा और 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे' का उनका नारा आज भी प्रासंगिक है। उनके बलिदान ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। इस अवसर पर आदमपुर मंडल के कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आदमपुर मंडल महामंत्री डॉ. प्रेम गुर्जर, हसनपुर चीनी मिल के डायरेक्टर सत्येंद्र त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष सुनील शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र त्यागी, राजीव त्यागी, ब्रम्हाराज प्रधान, मेघ सिंह नेताजी, मंडल मंत्री सुशील गिरी, महिपाल सिंह, कुमार पाल सिंह, संजय त्यागी, अंकुर त्यागी, विशाल त्यागी, शिवकुमार जोगी, मुजम्मिल अली, होम पाल सिंह, गौरव गोयल, रामबीर पाल, राकेश कश्यप, और भारतीय जनता पार्टी के देव तुल्य कार्यकर्ता शामिल रहे। सभी उपस्थित कार्यकताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा वृक्षारोपण कर आमजन को किया गया जागरुक...

सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी सम्भल और पुलिस अधीक्षक द्वारा वृक्षारोपण कर आमजन को जागरूक किया गया 1 से 7 जुलाई 2025 तक चल रहे वृक्षारोपण महाभियान 2025 के तहत जिलाधिकारी संभल डॉ0 राजेंद्र पेंसिया व पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा राजकीय कन्या इण्टर कालेज की छात्राओं के साथ तहसील परिसर व वेयर हाउस परिसर में पौधरोपण किया गया तथा विभिन्न प्रकार के छायादार व फलदार वृक्षों को रोपित किया गया एवं समस्त प्राणी जगत के जीवन में वृक्षो के महत्व के बारे में संदेश देते हुए समस्त उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ आम जनमानस को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण को संरक्षित कर संपूर्ण विश्व को सुरक्षित बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

सड़क दुर्घटना मृतकों के परिवारजनों से मिले डीएम और एसपी

उनके घर पहुंच घटना के प्रति की संवेदना प्रकट

जुनावई/संभल(सब का सपना(:- जिलाधिकारी सम्भल डा0 राजेन्द्र पैंसिया व पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिवारजनों से मिलने उनके घर थाना जुनावई के ग्राम हरगोविन्दपुर गांव गए और मृतक परिवारों से मिले और घटना के प्रति संवेदना प्रकट की । आपको बता दें कि जनपद सम्भल में दो दिन पूर्व एक बुलेरो कार, जिसमें करीब 10 लोग सवार थे जो बारात के लिए जा रही थी अनियन्त्रित होकर दीवार से टकरा गयी थी । इस दुखद सड़क हादसे में 08 लोगों की मृत्यु व 02 लोग घायल हो गए थे । मृतक के परिवारजनों की हर प्रकार से सहायता करने व घायलों के इलाज की पुख्ता व्यवस्था कराने हुते संबन्धित को निर्देश दिये गए है तथा किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल इसकी सूचना प्रशासन को दी जाए, जिससे समय से समस्या का समाधान कराया जा सके के सम्बन्ध में सम्बन्धित को अवगत कराया गया ।

एसडीएम व सीओ ने संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी जन समस्याएं

चन्दौसी/संभल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- शनिवार को तहसील सभागार में संपर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम आशतोष तिवारी व सीओ अनुज चौधरी द्वारा लोगों की शिकायत को सुना गया तथा संबंधित अधिकारी को शिकायत के निस्तारण हेतू न्दिॅशित किया गया। समाधान दिवस में जलपरी मत्स्य जीव सहकारी समिति सैदनगर अध्यक्ष ओंमकार सिंह द्वारा शिकायत की गईं कि उसने 16 मई 2025 को मछली पालन हेतु समिति के नाम दस वर्ष क लिए गाटा सं० 216ख-4.423 हे० लिया गया था परंतु कछ लोगो ने उस पर अवैध कब्जा कर रखा है। डा० अजय कुमार द्वारा बताया गया कि कैथल की बाजार पर नई सड़क डाली गई थी। नाला भी खेत के बराबर बनाया गया था परंतु वह बंद हो गया है। उसे खुलवाने की मांग की गईं। पावरहाउस निवासी विक्की प्रजापति द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान में किराना स्टोर ध्वस्त होने के कारण दुकान आवंटन का प्रार्थना पत्र दिया गया। पडित नगला नि0 खूबसिंह द्वारा चकमागं 684 की दो बार पैमाइश हल्का लेखपाल द्वारा कराने के उपरांत चकरोड नहीं पडने की शिकायत की गई। दारनी के रहने वाले चंद्रपाल पुत्र सुंदरसिंह ब्लाक बनियाखेड़ा द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत किये गये। मजदरों को मजदूरी ने मिलने के संबंध में शिकायत की। मुन्नी देवी निवासी मौहल्ला इंद्रा कॉलोनी चन्दौसी द्वारा फर्जी तरीकं से बेनामा कराने की शिकायत की गई। फरियादी खूबसिंह नि0 पंडित नगला द्वारा चक रोड काटने की शिकायत की गईं। समाधान दिवस में फरियादियों की लाइन लगी रही। समाधान दिवस में कुल 60 शिकायतें दर्ज हई जिनमें 07 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में उपजलाधिकारी आशुतोष तिवारी, सीओ अनुज चौधरी, तहसीलदार रवि सोनकर, नायब तहसीलदार,खाद्य आपूर्ति निरीक्षक, अधिशासी अधिकारी धर्मराज, कानूनगो सुशील यादव आदि सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

अमरनाथ यात्रियों की सेवा के लिए जम्मू में तीसरी बार हो रहा है चंदौसी का भंडारा

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपनाः- अमरनाथ की यात्रा शुरू हो चुकी है ऐसे में चंदौसी के शिव भक्तों ने देश के जगह जगह से अमरनाथ जी के दर्शन के लिए आने वालों को जम्मू में तीसरी बार एक भव्य भंडारे का आयोजन किया है भंडारे में चंदौसी के कई लोग अपनी सेवा दे रहे है बताते चलें कि इस वर्ष अमरनाथ जी यात्रा 9 अगस्त तक चलेगी। भंडारे में प्रतिदिन चारों पहरों का अलग अलग व्यंजन बनाकर प्रसाद के रूप में दर्शनार्थियों को दिया जाता है जिससे दर्शनार्थियों को यात्रा करने में काफी अच्छा लगता है और यात्रा काफी सरल हो जाती है क्योंकि कहते है न कि भूखें पेट कोई भी यात्रा या कार्य किया जाएं तो उसमें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सभी दर्शनार्थियों को यात्रा के दौरान जगह जगह शिव भक्त भंडारे का आयोजन करवाते है चंदौसी में उक्त भंडारे की लोग भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे है। भंडारे में सहयोग करने वालों में राजीव वार्ष्णेय, मेवाराम दाल वाले, कपिल गुप्ता ओएलएफ, लाले किराना वाले, रूपेश शर्मा, अंशुल टनाटन, राहुल टनाटन, धीरेन्द्र वार्ष्णेय, संजय किराना वाले, कौशल किशोर, राजन वार्ष्णेय, मनोज वार्ष्णेय, लोकेश वार्ष्णेय आदि का सहयोग रहा।

प्रेमी संग मिलकर रची पति और बच्चों की हत्या की साजिश, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- प्रेमी संग मिलकर रची पति और बच्चों की हत्या की साजिश नाकाम रही तो दोनों घर से फरार हो गए घटना थाना क्षेत्र के गांव आदमपुर की है जहां रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। आपको बता दें कि एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने ही पति और बच्चों की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि दोनों ने सुनियोजित ढंग से वारदात को अंजाम देने की कोशिश की, लेकिन समय रहते उनकी योजना नाकाम हो गई और दोनों मौके से फरार हो गए। पीड़ित पति ने पूरे मामले की जानकारी बहजोई पुलिस को दी और तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया है। बताया जा रहा है कि महिला का लंबे समय से गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था और दोनों ने मिलकर पति को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी। फिलहाल पुलिस ने दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

राजस्व, पंजीकरण और ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- वित्तीय वर्ष 202526 की पहली तिमाही में उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने न केवल अपेक्षित राजस्व लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सशक्त प्रगति की, बल्कि इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, वाहन पंजीकरण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में भी ठोस परिणाम दर्ज किए। यह तिमाही विभाग के लिए प्रदर्शन से आगे बढ़कर परिवर्तन की दिशा में बढ़ा एक ठोस कदम साबित हुई। वित्तीय वर्ष 2025 26 की पहली तिमाही ने यह सिद्ध कर दिया है कि उत्तर प्रदेश अब केवल लक्ष्य आधारित विभागीय प्रदर्शन से आगे बढ़कर संरचनात्मक रूप से परिपक्व परिवहन प्रशासन की दिशा में तेजी से अग्रसर हो चुका है। राजस्व, ई-मोबिलिटी, वाहन पंजीकरण और डिजिटल अनुपालन – सभी स्तरों पर विभाग ने ऐसी प्रवृत्तियाँ दर्ज की हैं, जो केवल शासन की सफलता नहीं, बल्कि जन-प्रेरित व्यवहारिक बदलाव को भी दशार्ती हैं।

राजस्व में निरंतर वृद्धि, लक्ष्य की दिशा में सशक्त रफ्तार

अप्रैल जून 2025 की तिमाही में कुल 2913.78 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 274.22 करोड़ अधिक है – अर्थात 10.39% की वृद्धि। यह उल्लेखनीय है कि विभाग ने इस दौरान क्रमिक लक्ष्य का 85.90% पूर्ण कर लिया है, जिससे यह स्पष्ट है कि वर्षांत तक ड्ड14,000 करोड़ का वार्षिक लक्ष्य व्यवहारिक रूप से प्राप्त किया जा सकता है। जून 2025 अकेले में 830.15 करोड़ का राजस्व अर्जित हुआ, जो पिछले वर्ष जून की तुलना में 4.10% अधिक है। यह वृद्धि तब दर्ज हुई जब विभाग ने कई श्रेणियों में छूट, विशेषकर ई-वाहनों पर टैक्स रिबेट प्रदान किए और पूरा जून महीना स्थानांतरण सत्र के रूप में रहा।

ई-मोबिलिटी में उत्तर प्रदेश की निर्णायक छलांग

प्रथम तिमाही में 70,770 इलेक्ट्रिक वाहनों को कर एवं शुल्क में 255.50 करोड़ की रियायत दी गई। यह स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश नीतिगत दृष्टि से ही नहीं, सार्वजनिक व्यवहार स्तर पर भी ईवी क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। 70,770 ई-वाहनों को जो लाभ प्राप्त हुआ, जिसमें न केवल पारंपरिक श्रेणियाँ (ई-रिक्शा, थ्री-व्हीलर) शामिल थीं, बल्कि 5,658 इलेक्ट्रिक कारें और 15,434 दोपहिया वाहन भी शामिल रहे। यह आँकड़ा यह दशार्ता है कि ईवी अब सिर्फ लो-एंड समाधान नहीं, बल्कि मिड और अर्ध-प्रिमियम शहरी ग्राहकों का भी प्राथमिक विकल्प बन चुका है।अकेले जून माह में 23,513 ई-वाहनों को 94.70 करोड़ की रियायत प्रदान की गई।अब तक प्रदेश में कुल 12.29 लाख इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हो चुके हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा एश-बेस वाला राज्य बनता जा रहा है। यह केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं, बल्कि उपभोक्ता की मानसिकता में एक स्पष्ट वैचारिक बदलाव है। यह रुझान न केवल पर्यावरणीय अनुकूलन को दशार्ता है, बल्कि आर्थिक रूप से भी एक मजबूत EV इकोसिस्टम का संकेत देता है।

वाहन पंजीकरण में उत्साहजनक वृद्धिः निजी और व्यावसायिक दोनों क्षेत्र अग्रणी

इस तिमाही में कुल 11,77,74 नए परिवहन वाहन पंजीकृत हुए, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 16.04% वृद्धि देखी गई। इनमें ई-रिक्शा (पैसेंजर) में 10.82% और ई-कार्ट में 80.26% वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। नॉन-ट्रांसपोर्ट वाहनों में भी तेजी देखी गई – 9,67,476 पंजीकरण, जो कि 12.41% की वार्षिक वृद्धि है। टू-व्हीलर वर्ग में 13.73% और फोर व्हीलर में 6.09% की वृद्धि के साथ नागरिकों की खरीद क्षमता और वाहन उपयोग में वृद्धि स्पष्ट होती है। ट्रांसपोर्ट श्रेणी में ई-कार्ट और ई-रिक्शा में निरंतर वृद्धि, यह संकेत करता है कि अब वाहन केवल आवागमन के साधन नहीं बल्कि सामाजिक गतिशीलता, आजीविका और वर्गीय आकांक्षा का भी प्रतिनिधित्व करने लगे हैं।

डिजिटल भुगतान और पारदर्शी सेवाओं का सशक्त क्रियान्वयन

प्रथम तिमाही में विभाग की कुल कर व शुल्क वसूली का 90% से अधिक ऑनलाइन मोड के माध्यम से हुआ, जो यह दशार्ता है कि जनता अब डिजिटल प्रक्रियाओं पर भरोसा कर रही है। ड्राइविंग लाइसेंस सेवाओं से ही 84.50 करोड़ की प्राप्ति हुई, और ई-चालान एवं समन शुल्क से 30.45 करोड़ वसूले गए – जो प्रभावी प्रवर्तन व टेक-इनेबल्ड प्रशासन की पुष्टि करते हैं। 90% से अधिक कर व शुल्क वसूली डिजिटल मोड से होना केवल आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की सफलता नहीं है, बल्कि नागरिकों के डिजिटल प्रशासन पर बढ़ते विश्वास का संकेत है। तकनीक आधारित प्रवर्तन अब व्यवहार में आ चुका है, न कि केवल कागजी व्यवस्था में।

राजस्व की संरक्षित वृद्धि के साथ सुधारोन्मुख छूट नीति

जहाँ एक ओर विभाग ने ई-वाहनों के लिए 255.50 करोड़ की छूट दी, वहीं दूसरी ओर कुल राजस्व में 10.39% की वृद्धि दर्ज की – यह संकेत है कि राज्य ने छूट के बावजूद स्थिर राजस्व का मॉडल सफलतापूर्वक अपनाया है। यह रुझान इस बात का प्रमाण है कि कर प्रणाली अब केवल दंडात्मक नहीं, बल्कि प्रोत्साहन आधारित और लचीली बन रही है।

परिवहन आयुक्त श्री ब्रजेश नारायण सिंह का वक्तव्यः

यह तिमाही प्रदर्शन केवल राजस्व या आंकड़ों की कहानी नहीं है – यह एक शासन मॉडल की कहानी है, जिसमें नीति, प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और जनसहभागिता चारों स्तंभों पर तेजी से काम हो रहा है। उत्तर प्रदेश अब परिवहन के हर क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभर रहा है। यह तिमाही प्रदर्शन यह दशार्ता है कि उत्तर प्रदेश में परिवहन केवल विभागीय सेवा नहीं रह गई, बल्कि यह एक व्यापक सार्वजनिक संस्कार बन चुका है – जहाँ नीति, प्रौद्योगिकी और जन-भागीदारी मिलकर सामाजिक प्रगति को गति दे रहे हैं।

वैश्य समाज ने सर्व समाज की लेकर मैराथन का किया आयोजन, कई स्कूलों के बच्चों ने लिया भाग

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में आज नगर में "सशक्त महिला, सशक्त युवा" की प्रेरणादायक थीम पर मैराथन दौड़ का भव्य आयोजन किया गया। यह दौड़ चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी से संजीवनी पैलेस तक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्कि पीठाधीश्वर पूज्य आचार्य प्रमोद कृष्णम जी रहे। बदायूं विधायक महेश गुप्ता, लखनऊ पश्चिम से विधायक डॉ. नीरज बोरा तथा मुजफ्फरनगर से विधायक एवं कौशल विकास मंत्री कपिल देव अग्रवाल जी, बनिया खेड़ा ब्लॉक अध्यक्ष सुगंधा सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय, जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया, एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का शुभारंभ मशाल प्रज्जलन के साथ हुआ कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण का संदेश देते हुए सफाई नायिका वर्षा जी के द्वारा सर्वप्रथम मशाल लेकर चला गया। मैराथन दौड़ के समस्त रूट की व्यवस्था अनिल कपूर जिला व्यायाम शिक्षक के द्वारा संपादित की गई। कार्यक्रम में पूज्य आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति है। जब महिलाएं सशक्त होंगी, तब युवा पीढ़ी भी आत्मविश्वासी, संवेदनशील और राष्ट्रनिर्माण के लिए तत्पर होगी । इस अवसर पर डॉ नीरज बोरा ने अपने संबोधन में कहा युवाओं में ऊर्जा है और यदि इस ऊर्जा को दिशा देने का कार्य हो तो भारत विश्व की सबसे शक्तिशाली देश में स्थान का सकता है। सशक्त महिलाएं से समाज में सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक चेतना को बल मिलता है। कपिल देव अग्रवाल ने कहा महिलाओं और युवाओं की भूमिका आज के भारत में अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक योगदान के क्षेत्र में इन दोनों वर्गों का सशक्तिकरण ही हमारे नए भारत का आधार है। बदायूं के विधायक श्री महेश गुप्ता ने भी इस अवसर पर कहा वैश्य समाज सदैव राष्ट्र निर्माण में अग्रणी रहा है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज को एक नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम का संचालन महिला जिला अध्यक्ष कार्यक्रम संयोजिका डॉ दुर्गा टंडन ने किया। मैराथन में महिलाओं, युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन स्थल पर सुरक्षा, चिकित्सा एवं जलपान की समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रतिभाग करने वाली समस्त संस्थाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अल्पाहार एवं राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों तथा सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ दुर्गा टंडन, कविता वर्धन, अमित डी आर, अभिषेक गुप्ता, प्रवीण गुप्ता, नीलांशु वार्ष्णेय प्रदीप गुप्ता, मोहित सैमसंग, गिरीश रतन , अनु अरुण रतन, अनिल कपूर, अमित मित्तल, राहुल अग्रवाल, गौरव गोयल ,शिखर गोयल, नितिन राहोली , लव मोहन वार्ष्णेय ,अमित सर्राफ आदि संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे। भारतीय मानव कल्याण समिति ने मैराथन दौड़ में लिया हिस्सा। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के स्थापना दिवस पर नगर में हुई मैराथन दौड़ का शुभारंभ चन्दौसी इंटर कॉलेज से होकर कैथल गेट, ब्रह्मा बाजार, घंटाघर, मुरादाबाद गेट, फुब्बारा चौक होते हुए संजीवनी पैलेस में समापन हुआ। अंत मे बहजोई पालिकाध्यक्ष राजेश शंकर राजू , जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह, अंकित जैन, गिरीश रतन द्वारा सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया गया। दौड़ में समिति प्रबंधक डॉ टीएस पाल,सुशील भोलेनाथ, शुभम अग्रवाल, दिनेश चंद्र गुप्ता, दिनेश पाल सिंह, आकाश शर्मा, संजय सैनी, तरुण नीरज, धारा सिंह, विपिन बालाजी, डॉ मनीष गुप्ता, प्रभात कृष्णा,सुधा शर्मा, चारुल वार्ष्णेय, वीना वार्ष्णेय, अनुभा गुप्ता, डॉ राजकुमार गोयल, रोशन लाल, मोहित कुमार, प्रतिभा चौधरी, बीपी तिवारी, हरीश कठेरिया, भावना गुप्ता, डॉ नीलम वार्ष्णेय, दुर्गेश्वरी, डॉ जय शंकर दुबे,राधिका आदि शामिल रहे।

दिल्लीवालों का वीकेंड हुआ सुहाना, उमस भरी गर्मी से मिली राहत; कई इलाकों में झमाझम बारिश

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में मौसम ने अचानक अपना मिजाज बदल लिया है। रातभर शहर में भारी उमस के बाद रविवार सुबह जोरदार बारिश हो रही है। दिल्ली के फिरोजशाह रोड समेत कई इलाकों में भारी बारिश हुई है। बता दें कि शनिवार को दिन में तेज धूप के कारण उमस भरी गर्मी रही। इसके बाद शाम को दिल्ली में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को भी आसमान में बादल छाए रहने का अनुमान है। गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश का भी अनुमान है। इसलिए मौसम विभाग ने रविवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। सोमवार को भी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इस महीने अब तक सामान्य से 82 फीसदी कम बारिश इस महीने के शुरूआती पांच दिनों में मानसून कमजोर रहा है। इस वजह से इस महीने अब तक पांच दिनों में दिल्ली में सामान्य से 82 फीसदी कम बारिश हुई है। इस महीने अब तक दिल्ली में 4.1 मिमी बारिश हुई है जो सामान्य (23.3 मिमी) से 19.2 मिमी कम है।

केवीएस आयुक्त और केंद्र सरकार के सचिव के खिलाफ अवमामना याचिका, विशेष शिक्षकों के 987 पदों की भर्ती का मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) आयुक्त और केंद्र सरकार के सचिव के खिलाफ अदालत के आदेश की अवमानना का मामला सामने आया है। दरअसल, अदालत के आदेश के बावजूद केंद्रीय विद्यालय में विशेष शिक्षकों के 987 पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन निकालने में विफल रहने पर उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है। सोमवार को हो सकती है सुनवाई इस संबंध में अधिवक्ता अशोक अग्रवाल ने याचिका दायर कर अवमानना की कार्रवाई की मांग की है। कोर्ट ने विशेष शिक्षकों की भर्ती के संबंध में विज्ञापन निकालने का आदेश दिया गया था, लेकिन अब तक कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं हुआ है। मामले पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है।

9वी अमरनाथ दर्शन संपन्न करके चंदौसी लौटा जत्था

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- मिनी वृंदावन नगरी चंदौसी से एक जत्था 1 जुलाई को रवाना हुआ था। ग्रुप के सदस्य तुषार क्रिस्टल ने बताया हम लोग लगातार अमरनाथ यात्रा पर जाते है इस वर्ष हमारी 9वी यात्रा थी इस यात्रा में 4 पुरुष और एक महिला भक्त शामिल थे। वहाँ सभी व्यवस्था बहुत अच्छी है इंडियन आर्मी द्वारा वहाँ हर प्रकार से सुरक्षा और सहयोग अमरनाथ जी को दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को दिया जाता है। वहीं पूनम वार्ष्णेय ने बताया मैं बहुत सौभाग्यशाली हूँ जो अपने परिवार के साथ अमरनाथ धाम और माँ वैष्णो देवी जी के दर्शन करके आई हूँ माँ सभी पर कृपा बनाये रखें। बाबा बर्फानी के दर्शन करके माँ वैष्णो देवी के दर्शन किए । जत्था वापिसी पर नगर चंदौसी के शिव भक्तों और परिवार के सदस्यों द्वारा भोले भक्तों का पटका पहनाकर स्वागत किया और पुष्प वर्षा की। सभी ने अमरनाथ जी के जयकारो के साथ अपने घर प्रस्थान किया। अमरनाथ यात्रा आने वालो में अर्पित वार्ष्णेय, मधुर वार्ष्णेय, अक्षय वार्ष्णेय, पूनम वार्ष्णेय, तुषार वार्ष्णेय क्रिस्टल थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों पर पीड़ित ने लगाया लापरवाही का आरोप

पीड़ित ने स्वास्थ्य केंद्र की खोली पोल

वहजोई/संभल (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों पर पीड़ित ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की है। मामला जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई का है जहां पीड़ित ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए हैं। पीड़ित ने बताया कि उसकी पत्नी प्रेग्नेंट थी जिसे लेकर के वह सरकारी अस्पताल बहजोई पहुंचा जहां डॉक्टर के द्वारा पत्नी का अल्ट्रासाउंड करने की बात कही गई। वह पत्नी का अल्ट्रासाउंड करा कर ले आया लेकिन उसके बाद वहां मौजूद नर्स ने कहा कि आपकी डिलीवरी में समय लगेगा आप कुछ समय इंतजार कर ले। इसके कुछ समय पश्चात वहां पर शिवानी मैडम आ गई जिसके बाद शिवानी मैडम के द्वारा कहा गया कि आप अपने मरीज की ऑपरेशन की जांच करा ले वह अस्पताल में ही मुफ्त में हो जाएगी। शिवानी मैडम के द्वारा बताया गया कि नॉर्मल डिलीवरी के चांस कम लग रहे हैं। जैसे ही वह डिलीवरी की जांच के लिए लैब पहुंचा तो उन्होंने 2:30 बजे रिपोर्ट देने की बात कही लेकिन पीड़ित ने बताया कि वह हर 15 मिनट पर जांच रिपोर्ट लेने के लिए जाता रहा लेकिन उसे जांच रिपोर्ट नहीं दी गई। इसके बाद लगभग 3:00 बजे लैब का ताला लगा हुआ मिला। फिर उसने बताया कि उसके बाद उसे बताया गया कि जांच रिपोर्ट आपके मोबाइल पर आ जाएगी लेकिन शाम के 4:30 बजने के बाद भी लैब रिपोर्ट जब नहीं आई तो वह वहां के डॉक्टर से मिला। जहां डॉक्टर ने यह कहते हुए टाल दिया कि अब आपको जांच रिपोर्ट नहीं मिली तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं। डॉक्टर के द्वारा साफ कह दिया गया कि आप अपने मरीज को अब कहीं भी ले जा सकते हैं। जिसके बाद पीड़ित ने बताया कि वह अपनी पत्नी को एक निजी अस्पताल में लेकर पहुंचा जहां उसकी पत्नी वह बच्चा सुरक्षित हैं।उसने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से उसके बच्चे और उसकी पत्नी की जान भी जा सकती थी। उसने कहा कि वह एक गरीब व्यक्ति है इसी वजह से वह सरकारी अस्पताल में अपनी पत्नी को लेकर पहुंचा था लेकिन वहां के स्टाफ के द्वारा उसे प्रताड़ित किया गया। पत्नी की डिलीवरी नहीं की गई। ना ही जांच रिपोर्ट समय पर दी गई। ना ही समय से उनसे मना किया गया। उसने कहा कि यह तो भगवान का आशीर्वाद था कि मेरी पत्नी और मेरा बच्चा स्वस्थ है । साथ ही उसने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अब मुझे सालों मेहनत करने के बाद यह कर्ज उतारना पड़ेगा क्योंकि प्राइवेट अस्पतालों में इलाज बहुत महंगा है उसने सरकारी अस्पतालों को लेकर सरकार से भी काफी सवाल किया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसे अस्पताल के डॉक्टर पर क्या कार्यवाही होगी या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा?

घर में चार एसी मैकेनिक मृत मिले; गैस रिसाव से दम घुटने का संदेह

दक्षिण दिल्ली: दक्षिण दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके में एक घर में एसी की मरम्मत करने वाले चार लोग सोते हुए मृत पाए गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ऐसी आशंका है कि एसी की सर्विसिंग में इस्तेमाल होने वाले रसायनों के रिसाव से निकली जहरीली गैसों के कारण दम घुटने से उनकी मौत हुई है। यह मामला तब सामने आया जब दो पीड़ितों के चचेरे भाई जिशान ने उसके भाई द्वारा फोन न उठाने पर पुलिस से संपर्क किया था। पुलिस की एक टीम तुरंत उस घर पर पहुंची, जो कथित तौर पर अंदर से बंद था। जब पुलिस अंदर पहुंची तो उन्हें घर की पहली मंजिल पर चार लोग बेहोश मिले। पुलिस ने बताया कि चारों को डॉ. आंबेडकर अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें सफदरजंग अस्पताल और एम्स ट्रॉमा सेंटर स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, तीन लोगों को पहले मृत घोषित कर दिया गया था, जबकि चौथे व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। उसकी पहचान हसीब के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान इमरान उर्फ सलमान (30), मोहसिन (20), हसीब और कपिल उर्फ अंकित रस्तोगी (18) के रूप में हुई है। सभी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरेली के रहने वाले थे। अधिकारी ने कहा, कमरे में पर्याप्त हवा आने-जाने की व्यवस्था नहीं थी और वहा सामान भरा हुआ था, जिससे यह संकेत मिलता है कि चार लोगों की मौत दम घुटने या एसी गैस भरने वाले सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण जहरीली गैस के संपर्क में आने से हुई होगी। हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चल पाएगा।

ब्राह्मण सभा ने आयोजित की आम सभा

चंदौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- रविवार को श्री ब्राह्मण सभा के स्थापना सदस्यों के साथ ब्राह्मण बन्धुओ की एक आम सभा का आयोजन श्री हनुमान मंदिर सीता रोड में किया गया। पूर्व में हुई सभा मे सर्व सम्मति से मारवाड़ी मोहल्ला स्थित जमीन पर श्री भगवान परशुराम धर्मशाला निर्माण का निश्चय किया गया था। शनिवार को श्री भगवान परशुराम धर्मशाला निर्माण समिति के निर्माण व समिति के रजिस्ट्रेशन का निर्णय हुआ। समिति में सदस्य बनने हेतु न्यूनतम 11000 रुपये की धनराशि निर्धारित की गई। सभी ने हर्षध्वनि से इस प्रस्ताव पर मोहर लगाई इसके अलावा सभी ब्राह्मण समाज से अपनी क्षमतानुसार सहयोग राशि देने की अपील की गई। सभा में अनेक सदस्यों ने समिति के रजिस्ट्रेशन हेतु प्रारम्भिक राशि आज समिति के कोषाध्यक्ष अश्वनी शर्मा के पास जमा भी की गई। सभा में राजेन्द्र कुमार शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, राधेश्याम मिश्रा, हरद्वारी लाल मिश्रा, अशोक कुमार पाठक, अश्वनी शर्मा, विपिन शर्मा, आदित्यकान्त शर्मा, मनोज कुमार शर्मा, अभिनव शर्मा, शिवराम वत्स, बृजेश शर्मा, विकास सनातनी, विनीत कुमार शर्मा, बृजेश शर्मा, अमरेश शर्मा धर्मकांटा, राजू बनर्जी, कुलदीप शर्मा, योगेश शर्मा, जय शंकर दुबे, श्याम शर्मा, सचिन शर्मा, राजू शर्मा, राजीव शर्मा, नरेश चंद शर्मा, अर्जुन भरद्वाज, संजीव शंखधर आदि बन्धु उपस्थित रहे।

सीबीआई ने मारी रेड, अहम दस्तावेज जब्त किए, रेलवे इंजीनियर समेत दो गिरफ्तार

चन्दौसी/सम्भल। (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- 17 लाख बकाया के भुगतान के लिए ले रहे थे 2% बकाया भुगतान के एवज में कमीशन मांगने की शिकायत पर चंदौसी रेलवे स्टेशन के इंजीनियरिंग विभाग में गाजियाबाद से आई सीबीआई की टीम ने छापा मारा। यहां से रेलवे के इंजीनियरों और उनके सहयोगी ट्रैकमैन को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। टीम ने उत्तरी रेलवे के असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर (एटिन) संजीव सक्सेना और सहायक अभियंता के कार्यालय में दस्तावेजों की जांच की। कुछ महत्वपूर्ण फाइलें जब्त की गई। सहायक अभियंता से लंबी पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। सीबीआई की तरफ से जारी प्रेस नोट में बताया गया कि रेलवे में किए गए। निर्माण कार्यों में 17 लाख रुपए का पेमेंट बकाया था। जिसके एवज में असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर और ट्रैकमैन की तरफ से 34 हजार कमीशन मांगा जा रहा था। मामले को लेकर रेलवे के ठेकेदार ने शुक्रवार को मुरादाबाद में शिकायत दर्ज कराई थी।

विशाल मेगा मार्ट की लिफ्ट में फंसे यूपीएससी छात्र की मौत, 750 के.एम. दूर सोनभद्र पहुंची गुहार

नई दिल्ली। करोलबाग के विशाल मेगामार्ट में खरीदारी करने पहुंचे यूपीएससी के 24 वर्षीय छात्र कुंवर धीरेंद्र विक्रम सिंह द्वारा जान बचाने की गुहार करीब 750 किमी दूर सोनभद्र तक पहुंच गई, लेकिन विशाल मेगामार्ट, दिल्ली पुलिस व दिल्ली अग्निशमन सेवा के कर्मियों ने अनसुनी की। शनिवार सुबह सात बजे तक उनके घर वाले सोनभद्र से दिल्ली पहुंच आए। उसके कुछ घंटे पहले लिफ्ट से उनके मृत शरीर को बाहर निकाला जा सका। आग से हुए धुएं में दम घुटने से उनकी सांसें थम गई थीं। पूरी व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवाल गमजदां परिवार वाले बचाव अभियान की पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हैं। कहते हैं कि उनके भाई ने न जाने कितनी जगह फोन किए, उन लोगों ने भी संपर्क किया और उसे बचाने की गुहार लगाई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा कर ली थी उत्तीर्ण करोलबाग में ही रहकर चार वर्ष से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे डीयू के पूर्व छात्र कुंवर धीरेंद्र दो दिन पहले ही घर वालों के साथ बेंगलुरु में छुट्टियां मनाकर दिल्ली लौटे थे। उन्होंने यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली थी और उत्साहपूर्वक मुख्य परीक्षा की तैयारी में जुटे थे। शुक्रवार शाम खरीदारी करने वह करोलबाग के विशाल मेगा मार्ट पहुंचे थे, जहां अचानक आग लग गई। आग लगते ही लिफ्ट बंद हो गई और कुंवर उसमें फंस गए, लेकिन उनकी तलाश किसी ने नहीं की। मेगा मार्ट के कर्मी आग लगते ही भाग खड़े हुए। राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मोर्चरी के बाहर सोनभद्र के निराला नगर, वार्ड नंबर 22 से आए उनके बड़े भाई कुंवर वीरेंद्र विक्रम व बहन स्वाति ने बताया कि 6:54 बजे छोटे भाई का फोन आया था

भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आवाजाही के लिए गोल चक्कर होगा बंद, खजूरी चौक जाम मुक्त करने की तैयारी

पूर्वी दिल्ली। खजूरी चौक जाम मुक्त करने को भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आवाजाही के लिए गोल चक्कर बंद किया जाएगा। इससे शास्त्री पार्क से लोनी और वहां से शास्त्री पार्क की ओर वाहन बिना रुके आ-जा सकेंगे। वहीं लोनी की ओर से आने वाले वाहनों को सिग्नेचर ब्रिज जाने के लिए यू-टर्न का विकल्प दिया जाएगा। ऐसी ही शास्त्री पार्क की ओर से आने वाले यू-टर्न लेकर खजूरी खास और वजीराबाद रोड के दोनों तरफ बसी कॉलोनियों में जा सकेंगे। भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आने-जाने के लिए लोगों को फ्लाईओवर का इस्तेमाल करना होगा। शनिवार को दिल्ली सचिवालय में खजूरी चौक को जाम मुक्त बनाने के संबंध में दिल्ली के विकास मंत्री एवं करावल नगर विधायक कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस पर सहमति बनी है। कुछ दिन अस्थायी रूप से गोलचक्कर पर यह प्रयोग किया जाएगा, परिणाम उचित मिले तो इसे स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। खजूरी चौक उत्तर-पूर्वी जिले का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन खजूरी चौक उत्तर-पूर्वी जिले का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है। वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, करावल नगर समेत कई इलाकों के आने-जाने के लिए खजूरी चौक से रोज बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। अभी गोल चक्कर खुला होने के कारण हर तरफ से वाहन गुजरते हैं, इनके बीच विपरीत दिशा में आ रहे वाहन घुस जाते हैं तो जाम लग जाता है। इससे लोगों को परेशानी होती है। उनका समय बर्बाद होता है। इसी समस्या का समाधान करने के लिए विकास मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में एनएचएआइ, दिल्ली यातायात पुलिस, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। घोंडा विधायक अजय महावर भी बैठक में रहे। इसमें खजूरी चौक को जाम मुक्त बनाने के व्यावहारिक समाधानों पर चर्चा हुई। एनएचएआई के पास इसे जाम मुक्त करने का जिम्मा एनएचएआइ के पास इसे जाम मुक्त करने का जिम्मा है। इसलिए उन्होंने प्रजेंटेशन के जरिये समाधान के चार विकल्प दिखाए। उसमें ट्रैफिक सिग्नल लगाकर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने पर उनका जोर रहा। लेकिन उस पर यातायात पुलिस सहमत नहीं हुई। लेकिन भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आने-जाने के लिए गोल चक्कर बंद करने पर सभी ने सहमति जताई। क्योंकि भजनपुरा-सिग्नेचर ब्रिज के बीच आवाजाही के लिए चौक पर फ्लाईओवर का विकल्प मौजूद है। कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली के नागरिकों को यातायात संबंधी परेशानियों से राहत दिलाना हमारी प्राथमिकता है।

इंदौर से महाराष्ट्र जा रही बस फिसलकर नदी में गिरी, 3 की मौत, कई घायल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले के आमोदा गांव के पास एक निजी बस पुल से नीचे मोर नदी में गिरी गई। यह बस मध्य प्रदेश के इंदौर से भुसावल (महाराष्ट्र) जा रही थी। हादसे में अब तक तीन लोगों की मौत की खबर मिली है, जबकि 25 से ज्यादा यात्री घायल बताए जा रहे हैं। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे हुआ जब बस पुल पर चढ़ते समय नियंत्रण हो गई और बैरिकेट तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरी। गनीमत रही कि नदी में पानी नहीं था, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। जानकारी के मुताबिक स्थानीय ग्रामीण और पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटनाग्रस्त बस एमपी 09-9009 को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे के बाद मोर नदी पर बने पुल की सुरक्षा और सड़क की हालत पर सवाल उठने लगे हैं। बताया जा रहा है कि फैजपुर-अमोदा मार्ग पर एक महीने में 20 से ज्यादा हादसे हो चुके है। आरोप है कि इस सड़क पर ब्रेक लगाते समय वाहन फिसलते हैं, जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रहे हादसों के बावजूद अब तक कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। बता दें इससे पहले महाराष्ट्र के वाशिम जिले में समृद्धि महामार्ग पर एक कार डिवाइडर से टकरा गई थी, जिससे दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा गुरुवार रात वनोजा और करंजा के बीच हुआ था। कार में सवार नागपुर जिले के उमरेड निवासी एक ही परिवार के पांच लोग पुणे से लौट रहे थे।

अंडमान सागर में भूकंप के झटके, तीव्रता 4.5 मापी गई; फिलहाल नुकसान की कोई खबर नहीं

अंडमान (एजेंसी)। अंडमान सागर में रविवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4.5 तीव्रता वाला भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप सुबह 7:03 बजे समुद्र की गहराई में महसूस किया गया। यह जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) द्वारा जारी की गई है। जानकारी अनुसार भूकंप का एपिसेंटर 6.60अक्षांश नॉर्थ और 95.05 देशांतर ईस्ट पर स्थित था। यह झटका समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर गहराई में उत्पन्न हुआ, जो सामान्य गहराई के भूकंपों की श्रेणी में आता है। अब तक किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या सुनामी खतरे की सूचना नहीं है। प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। क्षेत्रीय भूकंपीय निगरानी सिस्टम और तटीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं।

लगातार सक्रिय रहता है यह क्षेत्र

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के आसपास का इलाका भूकंपीय दृष्टि से बेहद सक्रिय माना जाता है। यह क्षेत्र इंडो-ऑस्ट्रेलियन और बर्मा टेक्टोनिक प्लेट्स के जंक्शन पर स्थित है, जहां अक्सर हल्के या मध्यम भूकंप आते रहते हैं। हालांकि यह झटका समुद्र में आया और किसी प्रभाव की खबर नहीं है, फिर भी विशेषज्ञों ने लोगों से सतर्क रहने और भ्रामक सूचनाओं से बचने की अपील की है।

तेलंगाना में काम के घंटे 8 से बढ़कर 10 घंटे

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने निजी संस्थानों में काम के 2 घंटे बढ़ा दिये है। अब 8 घंटे की जगह 10 घंटे कर्मचारियों से काम लिया जा सकेगा। तेलंगाना सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना निजी संस्थानों पर ही लागू होगी। अधिसूचना के अनुसार सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम कराने की दशा में कर्मचारियों को ओवरटाइम का भुगतान करना पड़ेगा। एक सप्ताह में केवल 48 घंटे ही काम कराया जा सकता है। 6 घंटे के बाद 30 मिनट का ब्रेक अनिवार्य रूप से दिए जाने का प्रावधान सरकार ने अधिसूचना में रखा है। किसी भी कार्य अवधि में 12 घंटे से अधिक का काम नहीं कराया जा सकता है। इस अधिसूचना के नियम दुकानों पर लागू नहीं होंगे। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद सभी कल कारखाने और बड़े संस्थानों में कर्मचारियो से 10 घंटे तक काम कराया जा सकता है।

विस्फोटक से भरी गाड़ी पकड़ाई

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में पुलिस ने समय रहते एक बड़ी अनहोनी को टाल दिया। जिले के खेकड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक संदिग्ध गाड़ी को रोका, जिसमें से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और बारूद बरामद किया गया। पुलिस को खुफिया सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध वाहन फखरपुर रोड से होते हुए दिल्ली की ओर जा रहा है, जिसमें भारी मात्रा में विस्फोटक है। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर गाड़ी को रोका। जब पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली, तो उसमें से 5 क्विंटल विस्फोटक और 10 किलो बारूद बरामद हुआ।

लॉ कॉलेज गैंगरेप : आरोपी मोनोजीत घटना के बाद कई जगह घूमा, मांगी थी मदद

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता लॉ कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 25 जून को वारदात के एक दिन बाद मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा ने अपने मेंटर्स से मदद मांगी थी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में चार लोग आरोपी हैं उसमें सुरक्षा गार्ड भी शामिल हैं। ये सभी हिरासत में हैं। यह घटना कॉलेज कैंपस के अंदर हुई थी और पुलिस इसकी गहन जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि घटना के बाद मोनोजीत मिश्रा दक्षिण कोलकाता के कई इलाकों में गया था। रासबिहारी, देशप्रिय पार्क, गरियाहाट, फर्न रोड और बालीगंज स्टेशन रोड में भटकते हुए उसने अपने परिचितों से संपर्क करने की कोशिश की। मोबाइल टावर डेटा से पता चला कि वह पुलिस स्टेशन के पास भी गया था।

हरियाणा और पंजाब सरकारों के साथ वायु प्रदूषण शमन उपायों पर समीक्षा बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में समन्वित कार्रवाई में तेजी लाने के लिए एक ठोस प्रयास के अंतर्गत चंडीगढ़ में पंजाब और हरियाणा राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों के साथ दो महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकें कीं। इस अवसर पर आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थिति रहे। इन समीक्षा बैठकों का उद्देश्य उक्त दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन का मूल्यांकन करना है।

हरियाणा राज्य सरकार के साथ बैठक के दौरान, अनुमोदित कार्य योजना के अनुसार 2025 में धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट भट्ठों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें 2025-26 के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत बायोमास को-फायरिंग लक्ष्य के संबंध में की गई प्रगति की समीक्षा भी शामिल है। समीक्षा किए गए अन्य मुद्दों में सड़क धूल शमन रणनीतियां, विशेष रूप से राज्य सरकार द्वारा चिन्हित सड़कों के पुनर्विकास के लिए तैयार की गई कार्य योजना की समीक्षा और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को रोकने के लिए आयोग द्वारा जारी विभिन्न निर्देश शामिल थे।

समीक्षा बैठकों के अलावा, आयोग की टीम ने 4 जुलाई 2025 को पंजाब और हरियाणा राज्यों में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा भी किया, जिसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। इससे धान की पराली के बाहरी प्रबंधन को मजबूत बनाने में दोनों राज्यों द्वारा की गई तकनीकी और परिचालन प्रगति के बारे में मूलभूत जानकारी प्राप्त की गई।

आयोग ने समन्वय बढ़ाने, कार्य योजनाओं के लक्षित क्रियान्वयन और आयोग द्वारा जारी वैधानिक निर्देशों के सख्त क्रियान्वयन के महत्व को दोहराया। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को लिखी चिट्ठी, कहा- पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ से तुरंत खाली कराएं बंगला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पत्र में लिखा गया है कि बिना किसी देरी के डॉक्टर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ से बंगला नंबर पांच खाली कराया जाए। उन्हें इस बंगले में रहने की अनुमति का विस्तारित समय सीमा 21 मई 2025 को खत्म हो चुकी है। इसके अलावा 2022 नियमों के नियम 3क्के तहत प्रदान की गई छह महीने की अवधि 10 मई, 2025 को समाप्त हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट के एक अधिकारी द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अरबन अफेयर्स सचिव को भेजे गए इस पत्र को हिन्दुस्तान टाइम्स ने देखा है। जानकारी के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ का बंगला खाली कराने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। इसके मुताबिक पूर्व सीजेआई रिटायर होने के बाद भी इस बंगले में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने पत्र में लिखा है कि उन्हें जितने समय के लिए अनुमति दी गई थी, वह समय सीमा पूरी हो चुकी है। साथ ही पत्र में बंगला खाली कराके इसे कोर्ट के हाउसिंग पूल को लौटाने की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यह पत्र एक जुलाई को आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को भेजा है। इसमें केंद्र सरकार से मांग की गई है कि लुटियंस दिल्ली के कृष्ण मेनन मार्ग पर स्थित बंगला नंबर पांच तत्काल खाली कराया जाए। यह बंगला आधिकारिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग सीजेआई का आवास है। गौरतलब है कि जस्टिस चंद्रचूड़ नवंबर 2022 से नवंबर 2024 तक देश के 50वें मुख्य न्यायाधीश रहे। कार्यकाल खत्म होने के करीब आठ महीने बाद भी वह बंगले में रह रहे हैं। वहीं, उनके बाद मुख्य न्यायाधीश बने, जस्टिस संजीव खन्ना और मौजूदा सीजेआई जस्टिस भूषण आर गवई सीजेआई के आधिकारिक निवास में गए ही नहीं। इन दोनों ने अपने पूर्व आवंटित बंगले में ही रहना जारी रखा।

तलाशी के दौरान मिला आतंकियों का अड्डा, भारी मात्रा में मिला हथियारों का जखीरा

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों की तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादी का ठिकाना मिला है। जहां से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला। अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले, एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की गईं। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के संबंध में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कुर्की की गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र के खिलाफ एक निर्णायक कदम उठाया गया। इसके सहायक ढांचे को ध्वस्त करने के लिए श्रीनगर पुलिस ने एक आवासीय संपत्ति को कुर्क कर लिया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपये है। खानयार इलाके के शालबाग के मीर मस्जिद मोहल्ला में स्थित यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है। वर्तमान में यह उनके बेटे मसूद हुसैन शाह के कब्जे में है।

11 के खिलाफ आरोप पत्र दायर

इस बीच, जम्मू-कश्मीर राज्य जांच एजेंसी ने मादक पदार्थ-आतंकवाद मामले में पाकिस्तान स्थित हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख सैयद मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन समेत 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एसआईए, जम्मू ने सबसे पहले 2022 में मामला दर्ज किया था। इसने जांच में आतंकवादी सहयोगियों व एक ऐसे सुव्यवस्थित नेटवर्क का पता लगाया था, जो मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में मदद कर प्रतिबंधित संगठन का सहयोग कर रहा था। मध्य कश्मीर के बडगाम के सिबुग गांव के निवासी सलाहुद्दीन के अलावा बडगाम के खान साहिब इलाके का एक अन्य हिजबुल आतंकवादी बशारत अहमद भट का नाम भी आरोप पत्र में शामिल है।

नारी सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश सरकार का ऐतिहासिक कदम

राज्य में 80 और चलेंगी पिंक बसें, चालक-कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा, सुविधा और आत्मनिर्भरता को को लेकर बड़ा फैसला लिया है। परिवहन विभाग ने राज्यभर में 80 नई पिंक बसें चलाने की योजना बनाई है। यह सिर्फ महिलाओं के लिए होंगी, जिसे सितंबर 2025 तक सभी जिला मुख्यालयों में चलाया जाएगा। मई 2025 में 20 सीएनजी पिंक बसें पटना, मुजफ्फरपुर, गया, पूर्णिया और दरभंगा में शुरू की गई थीं। इनकी सफलता के बाद अब सरकार ने 80 नई बसें और चलाने का फैसला लिया है।

बता दें 35 बसें पटना में, शेष 45 बसें अन्य प्रमुख जिलों में चलाई जाएंगी। पिंक बसों को पूरी तरह महिला यात्रियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें कई आधुनिक और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध हैं जिसमें जीपीएस लगाया गया है जिससे बसों की लाइव लोकेशन ट्रैक की जा सकती है। पैनिक बटन भी लगा है जो किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अलर्ट करेगा। पूरे बस में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। सेनेटरी पैड और मेडिकल किट महिलाओं की हेल्थ जरूरतों के लिए लगाया गया है। मोबाइल चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक सीटें हैं और किराया 6 से 25 तक रखा है। छात्राओं के लिए 400 रुपए में मासिक पास बनाया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए 550 में पास बनेगा।

इस पहल को पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है। 500 महिला चालकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। कंडक्टर, चालक और नोडल अधिकारी सभी महिलाएं होंगी। पटना में 16, गया और भागलपुर में 4-4 महिला कंडक्टर पहले ही तैनात की जा चुकी हैं।

नोडल अधिकारी ने इसे नारी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। बिहार सरकार की यह पहल महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक नायाब प्रयास है। जहां एक तरफ यह कदम यातायात में सुरक्षा और सुविधा तय करता है, वहीं दूसरी ओर यह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है।

हिमाचल में आपदा: यह वक्त राजनीति का नहीं, राहत पहुंचाने का: सीएम सुक्खू

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश इन दिनों भारी बारिश से तबाही मची है। बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ से राज्य में अब तक 69 मौतें, 37 लापता लोगों और 700 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान हुआ है। इस बीच प्रदेश की राजनीति में एक नया मोड़ आया, जब मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनौत और पूर्व सीएम जयराम ठाकुर के बीच कथित बयानबाज़ी बीजेपी के लिए सिरदर्द बन गई है।

सीएम सुक्खू ने बताया कि उन्होंने राज्य में अपदा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से बात की है और केंद्र सरकार ने हरसंभव मदद देने का वादा किया है। राज्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह राजनीति का नहीं, राहत का वक्त है। हिमाचल की आपदा जहां प्राकृतिक संकट बनी हुई है, वहीं राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है। कंगना रनौत और जयराम ठाकुर के बीच सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेद भाजपा की आंतरिक असहजता को उजागर कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पत्रकारों ने जब जयराम ठाकुर से पूछा कि कंगना रनौत आपदा के समय क्यों चुप हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों पर टिप्पणी नहीं करना चाहता जो किसी की परवाह नहीं करते। हम यहां उन लोगों के लिए हैं जो परवाह करते हैं। जयराम ठाकुर के बयान पर कंगना ने एक्स पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें ठाकुर ने ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने से रोका था, क्योंकि सड़कें टूटी हैं और संपर्क पूरी तरह बाधित है।

कंगन ने लिखा- मैंने सेराज व अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाने की कोशिश की, लेकिन वहां सड़क संपर्क टूट चुका है। जयराम जी ने सलाह दी है कि जब तक रास्ते ठीक नहीं हो जाते, जाना उचित नहीं। वहीं कांग्रेस ने कंगना के ट्वीट और बीजेपी नेताओं के विरोधाभासी बयानों को लेकर बीजेपी की आपसी तालमेल की कमी और दोहरे रवैये पर सवाल खड़े किए हैं।

राज और उद्धव पर भड़के फडणवीस- शिंदे बोले ये सिर्फ सत्ता की लालसा के अलाव कुछ नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा और महायुति गठबंधन के नेताओं ने इसे सियासी मजबूरी और भाईचारे की नौटंकी करार दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के भाषण पर कटाक्ष करते हुए कहा, राज ने जहां मराठी भाषा के प्रति संवेदनशीलता दिखाई, वहीं उद्धव का पूरा भाषण ईर्ष्या, कटुता और सत्ता की लालसा से भरा था। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर व्यंग्य करते हुए कहा, अगर मैंने ठाकरे भाइयों को मिला दिया तो शायद बालासाहेब की भी मुझ पर कृपा है। उन्होंने रैली को ÷रुदाली कार्यक्रम÷ बताया और कहा कि मराठी का नाम लेकर सत्ता की राजनीति की जा रही है। फडणवीस ने यह भी पूछा, 25 साल मुंबई नगर निगम आपके पास थी, आपने मराठी के लिए कौन सा कार्य किया? वहीं शिंदे ने कहा कि यह रैली मराठी मानुष की आवाज बनने के बजाय, सत्ता प्राप्ति की व्यक्तिगत कोशिश

बन गई। उन्होंने उद्धव पर 2019 में भाजपा से नाता तोड़कर मराठी अस्मिता और बालासाहेब की विचारधारा के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। राज्य मंत्री आशीष शेलार ने तो इसे भाई-भाई के मेल की रैली बताते हुए कहा, यह मराठी भाषा के प्रेम के लिए नहीं, बल्कि शिवसेना (यूबीटी) की सियासी जमीन बचाने का प्रयास था। वहीं, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, मराठी से प्रेम होना ठीक है, लेकिन हिंदी-विरोधी भावना गलत है। मारपीट और धमकी देकर कोई भाषा नहीं सिखाई जा सकती। शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस की यह एकजुटता बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में देखी जा रही है। उद्धव की पार्टी जहां लोकसभा में पिछड़ती दिखी, वहीं एमएनएस हालिया विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत पाई। यह मंच साझा करना न केवल बालासाहेब ठाकरे की विरासत को फिर से एकजुट करने की कोशिश है, बल्कि मराठी मतदाताओं के बीच भाजपा के खिलाफ एक भावनात्मक और सांस्कृतिक मोर्चा खड़ा करने की रणनीति भी लगती है।

घाना के बाद आतंकवाद के मामले पर भारत को मिला त्रिनिदाद-टोबैगो का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के बाद भारत ने आतंकवाद के मामले पर दुनियाभर के देशों से पुरजोर अंदाज में समर्थन देने की कूटनीतिक कवायद शुरू की थी। जिसमें उसे काफी सफलता भी हाथ लगी। लेकिन कई ऐसे देश ऐसे रह गए, जहां भारत अपनी इस कोशिश में पहुंच नहीं सका। अब इसी अंतर को पाटने का काम स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के दौरान कर रहे हैं। जिसका नतीजा यह है कि पहले भारत को आतंकवाद पर घाना का समर्थन मिला। तो वहीं अब कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो (टी-एंड-टी) भी इस मामले में मजबूती से भारत के साथ खड़ा हो गया है। बीते शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्रिनिदाद-टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन के रेड हाउस में एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक हुई। जिसमें दोनों शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के सभी स्वरूपों, अभिव्यक्तियों से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि पीएम मोदी ने पहलगाम हमले को लेकर भारत के लोगों को त्रिनिदाद-टोबैगो द्वारा दिए गए मजबूत समर्थन और एकजुटता की प्रशंसा की। दोनों ने वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच अधिक एकजुटता के लिए मिलकर काम करने और भारत-कैरिकॉम साझेदारी को मजबूत करने पर सहमति जताई। वार्ता में साझा हितों से जुड़े क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री कमला को भारत यात्रा का निमंत्रण दिया। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया है। टी एंड टी में पीएम मोदी ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की। जिनमें भारतीय समुदाय सदस्यों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड सुविधा का विस्तार, विद्यालय के छात्रों को 2 हजार लैपटॉप उपहार में दिए, 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कृषि प्रसंस्करण मशीनरी का औपचारिक हस्तांतरण किया गया। 800 लोगों के लिए 50 दिनों के लिए कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर का आयोजन, हील इन इंडिया के तहत भारत में विशेष चिकित्सा उपचार की पेशकश की जाएगी।

शांति-सुरक्षा के लिए आतंकवाद खतरा

बैठक के बाद जारी किए संयुक्त बयान में भी दोनों नेताओं ने आतंकवाद का उल्लेख किया और उसे शांति और सुरक्षा के लिए एक समान खतरा बताया। उन्होंने इसकी कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ सख्त अंदाज अपने विरोध को लेकर प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा पीएम मोदी और पीएम कमला ने घोषणा की कि आतंकवाद के लिए किसी तरह की कोई सफाई नहीं दी जा सकती है। सीमा-पार आतंकवाद भी इसमें शामिल है।

कुल 6 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

मंत्रालय ने बताया, बैठक के बाद भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच कुल 6 समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय फार्माकोपिया पर एमओयू, त्वरित प्रभाव परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारतीय अनुदान सहायता पर समझौता, 2025-2028 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, खेलों में सहयोग पर एमओयू, राजनयिक प्रशिक्षण में सहयोग पर एमओयू और वेस्टइंडीज विश्वविद्यालय, त्रिनिदाद-टोबैगो में हिंदी व भारतीय अध्ययन की दो आईसीसीआर पीठों की पुनर्स्थापना पर एमओयू इसमें मुख्य हैं।

भारत /इंग्लैंड दूसरे टेस्ट: आकाश दीप का कहर, भारत जीत से चार विकेट दूर

बर्मिंघम (एजेंसी)। आकाश दीप (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन रविवार को भोजनकाल तक इंग्लैंड के 153 पर छह विकेट झटककर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है।

भारत को लंच से ठीक पहले वाशिंगटन सुंदर ने स्टोक्स का विकेट दिलाया, जो भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इस सेशन की शुरुआत में पहले आकाश दीप ने कमाल की गेंदबाज़ी करते हुए दो विकेट निकाले। लेकिन उसके बाद स्टोक्स और स्मिथ के बीच 70 रनों की अच्छी साझेदारी हुई लेकिन लंच से ठीक पहले स्टोक्स आउट हो गए। अब इंग्लैंड पूरी तरह से इस मैच को ड्रॉ कराने का प्रयास करेगा लेकिन भारत जीत के काफ़ी क़रीब दिख रहा है।

इंग्लैंड ने कल के तीन विकेट पर 72 रन से आगे खेला शुरु किया। इंग्लैंड ने महज आठ रन जोड़कर अपना चौथा विकेट ऑली पोप (24) के रूप में गंवा दिया। ऑली पोप को आकाश दीप ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद आकाश दीप ने 22वें ओवर में हैरी ब्रूक (23) को पगबाधा कर भारत को पांचवी सफलता दिलाई। भारत को छठी सफलता वॉशिंगटन सुंदर ने कप्तान बेन स्टोक्स (33) को पगबाधा आउट कर दिलाई। भोजनकाल तक इंग्लैंड ने छह विकेट पर 153 रन बना लिये है और जेमी स्मिथ (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को मैच जीतने के लिए जहां 455 रनों की दरकार है। वहीं भारत को चार विकेट चटकाने होंगे।

भारत की ओर से आकाश दीप ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और वॉशिंगटन सुंदर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे। भारत ने दूसरी पारी छह विकेट पर 427 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

साक्षी ने विश्व मुक्केबाजी कप में जीता स्वर्ण पदक

अस्ताना (एजेंसी)। दो बार की युवा विश्व चैंपियन साक्षी ने रविवार को यहां दूसरे विश्व मुक्केबाजी कप में महिलाओं के 54 किग्रा फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। 24 साल की साक्षी ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अमेरिका की योसलाइन पेरेज के खिलाफ सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की।

भारतीय दल ने यहां विश्व मुक्केबाजी कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और कुल 11 पदक पक्के किए हैं। भारत ने ब्राजील में पहले चरण में एक स्वर्ण और एक रजत सहित छह पदक जीते थे। पहले सत्र में चार भारतीय मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया और साक्षी ने गति और सटीक पंच के संयोजन के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया।

इससे पहले मीनाक्षी ने 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में स्थानीय दावेदार नाजिम काइजाइबे को कड़ी चुनौती दी लेकिन 2-3 के खंडित फैसले से हार गयी। जुगनू (पुरुष 85 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) को भी अपने-अपने फाइनल में हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। जुगनू को कजाकिस्तान के बेकजाद नूरदौलेटोव के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा जबकि पूजा को आस्ट्रेलिया की एसिटा फ्लिंट के खिलाफ इसी अंतर से शिकस्त मिली।

इस खिलाड़ी से मिली प्रेरणा, वैभव सूर्यवंशी बोले- अगले मैच में 200 बनाने की कोशिश करूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह शतक बनाने के बाद शुभमन गिल को बिना किसी दबाव के खेलते हुए देखकर प्रेरित हुए और भविष्य के मैचों में भारतीय टेस्ट कप्तान का अनुकरण करना चाहते हैं। सूर्यवंशी ने शनिवार को वॉर्सेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत अंडर-19 की तरफ से चौथे मैच में केवल 78 गेंदों पर 143 रन की शानदार पारी खेली और युवा एकदिवसीय मैचों में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

सूर्यवंशी ने बीसीसीआई के 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'मुझे उनसे (गिल से) काफी प्रेरणा मिली, क्योंकि मैंने उनका खेल देखा था। 100 और 200 रन बनाने के बाद भी वह सहजता से खेलते रहे।' गिल ने बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी एजबेस्टन में थी।

सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं अगले मैच में 200 रन बनाने की कोशिश करूंगा। अगली बार मैं पूरे पचास ओवर खेलने की कोशिश करूंगा। मैं जितने अधिक रन बनाऊंगा, मेरी टीम के लिए उतना ही बेहतर होगा।' सूर्यवंशी ने कहा कि जब तक वह ड्रेसिंग रूम में नहीं लौटे, उन्हें अपने बनाए गए रिकार्डों के बारे में पता नहीं था। उन्होंने युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता था कि 100 रन बनाने के बाद मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। हमारे टीम मैनेजर अंकित सर ने मुझे बताया कि मैंने रिकॉर्ड बना लिया है। सभी ने मुझे बधाई दी।'

इंडिया हाउस में भारतीय महिला टीम हुआ सम्मान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यहां के इंडिया हाउस में एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। इस समारोह में कप्तान हरमनप्रीत कौर और टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार सहित सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। इस दौरान भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने टीम का स्वागत किया। इस अवसर पर दोरईस्वामी ने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा, 'खिलाड़ियों ने जिस प्रकार से यहां जीत दर्ज की है। उससे देश में खेलों के क्षेत्र में एक बढ़ा बदलाव आयेगा और युवा प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी।'

उन्होंने कहा, 'आज ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है जिसके बारे में भारत की युवा महिलाएं सोचती हैं कि वे ऐसा नहीं कर सकती हैं, क्योंकि आप और क्रिकेट खिलाड़ियों की एक पुरानी पीढ़ी ने ऐसा किया है। आपके पास जादू है और आप मैदान पर जहां भी खेलती हैं, इसे हमारे साथ साझा करती हैं, जिसके लिए हम बहुत-बहुत आभारी हैं।' दोरईस्वामी ने कहा, 'जब आप हमारी क्रिकेट टीम, हमारी हॉकी टीम या हमारी किसी भी खेल की टीम को देखेंगे तो पाएंगे कि यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व करती हैं।' उन्होंने कहा, 'ये केवल हमारी बेहतरीन खिलाड़ी ही नहीं हैं, बल्कि ये वो लड़कियां हैं जो हर शहर और हर प्रांत से निकल भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंची हैं।'

सुनील गावस्कर का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं शुभमन गिल, 1971 से कामय है वर्चस्व

नई दिल्ली । मौजूदा भारतीय कप्तान शुभमन गिल पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में 774 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं । गावस्कर ने 1971 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में 774 रन बनाये थे और उनका वो रिकॉर्ड आज तक कायम है । कोई भी भारतीय इस रिकॉर्ड को तोड़ नहीं पाया है । दूसरे नंबर पर भी गावस्कर ही हैं जिन्होंने 1978-79 में वेस्ट इंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में छह मैचों में 732 रन बनाए थे । तीसरे नंबर पर मौजूदा ओपनर यशस्वी जायसवाल हैं जिन्होंने 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में पांच मैचों में 712 रन बनाए थे । रन मशीन विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014-15 की सीरीज में चार मैचों में 692 रन बनाए थे । गिल ने एजबस्टन टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 430 रन बनाए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं, पहले नंबर पर ग्राहम गूच हैं जिन्होंने 1990 में भारत के खिलाफ 456 रन बनाए थे । गिल ने इस इंग्लैंड दौरे पर पहले दो टेस्ट में 585 रन बनाए हैं, जो सीरीज के पहले दो टेस्ट में दूसरे सबसे अधिक रन हैं । पहले नंबर पर ग्रीम स्मिथ हैं जिन्होंने 2003 में इंग्लैंड में 621 रन बनाए थे । गिल अब बतौर कप्तान पहले दो टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने कोहली के 449 रनों को पछाड़ा । गिल दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने दो बार टेस्ट में 150 से अधिक रन बनाए हैं, उनसे पहले ऐसा 1980 में एलेन बॉर्डर ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर में नाबाद 150 और 153 रन बनाकर किया था ।

महिलाओं की 5000 और 1500 मीटर दौड़ में नए विश्व रिकॉर्ड

यूजीन (अमेरिका) । कीनिया की बीट्राइस चेबेट ने प्रीफॉन्टेन क्लासिक एथलेटिक्स प्रतियोगिता में महिलाओं की 5,000 मीटर दौड़ 13 मिनट 58.06 सेकंड में जीतकर विश्व रिकार्ड बनाया । चेबेट इस स्पर्धा में 14 मिनट से कम समय निकालने वाली पहली महिला एथलीट बन गई है। उन्होंने इथियोपिया की गुडाफ त्सेगे द्वारा बनाए गए 14:00.21 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। त्सेगे ने 2023 प्रीफोंटेन क्लासिक में यह रिकॉर्ड बनाया था । कीनिया की ही फेथ किपयेगोन ने महिलाओं की 1,500 मीटर दौड़ तीन मिनट 48.68 सेकंड में पूरी कर विश्व रिकॉर्ड बनाया । इस स्पर्धा में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन किपयेगोन ने 3:49.04 के अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने पिछले साल जुलाई में पेरिस ओलंपिक खेलों के दौरान बनाया था ।

टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन बनाने वाली पांचवी टीम बनी टीम इंडिया

बर्मिंघम । शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कुल 1000 रन बनाकर एक नया रिकार्ड बनाया है । टीम इंडिया इसी के साथ ही एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाने वाली दुनिया की 5वीं टीम बन गई है । पहले टेस्ट में जहां भारतीय टीम की ओर से पांच शतक लगे थे और उसने पांच सौ से अधिक रन बनाये थे । वहीं वहीं एजबेस्टन में जारी दूसरे टेस्ट की दोनो पारियों को कुल मिलाकर भारतीय टीम ने 1000 रन बनाये हैं । भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एक मैच में ही टीम ने 1000 से अधिक रन बनाये हैं । इससे पहले भारतीय टीम ने सिडनी में साल 2004 में एक मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 916 रन बनाए थे । वहीं एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम है । इंग्लैंड ने साल 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 1121 रन बनाए थे । गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व क्रिकेट में एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार एक टेस्ट मैच में 1000 से अधिक रन बनाए हैं । ऑस्ट्रेलिया ने साल 1934 में इंग्लैंड के खिलाफ कुल 1028 रन बनाए थे, वहीं 1969 में उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1013 रन बनाये थे। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ साल 2006 में एक मैच में कुल 1078 रन बनाए थे, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने साल 1939 में इंग्लैंड के खिलाफ 1011 रन बनाये थे ।

सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ - कार्लसन नें फिर दिखाया अपना दम , गुकेश जीत को तरसे

जागरेब , क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व शतरंज चैम्पियन डी गुकेश के लिए ग्रांड चैस टूर के सुपरयूनाइटेड रैपिड में एकतरफा जीत के बाद भी शतरंज के सबसे फटाफट फॉर्मेट ब्लिट्ज़ का रास्ता आसान नहीं माना जा रहा था और हुआ भी कुछ ऐसा ही,कल खेले गए सुपरयूनाइटेड ब्लिट्ज़ शतरंज के पहले दिन एक और जहां गुकेश जीत को भी तरस गए वहीं विश्व के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें बेहद शानदार खेल दिखाते हुए अपराजित रहते हुए एकल बढ़त कायम कर ली है । गुकेश जो रैपिड में सिर्फ एक बार हारे थे ब्लिट्ज़ में कई अच्छी बाज़ियाँ समय की कमी के चलते हारते चले गए और उन्होने एकमात्र जीत फबियानों करूआना के खिलाफ दर्ज की और एक ड्रॉ नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ खेला वहीं मैगनस कार्लसन नें गुकेश को इस बार पराजित करते हुए रैपिड में अपनी हार का हिसाब बराबर कर दिया ।

ब्लिट्ज़ का पहला दिन कार्लसन के नाम रहा और उन्होने छह जीत और 3 ड्रॉ के साथ 7.5 अंक बनाए और रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों को मिलाकर कुल 17.5 अंको के साथ पहले स्थान पर पहुँच गए । गुकेश दूसरे दिन अपने रैपिड के 14 अंको में 1.5 जोड़ पाये और 15.5 अंको के साथ वह तीसरे स्थान पर है जबकि रैपिड में 11 अंको के साथ दूसरे स्थान में रहने वाले डुड़ा 5 अंक जोड़ते हुए कुल 16 अंको के साथ दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । भारत के आर प्रज्ञानन्दा नें ब्लिट्ज़ के पहले दिन कोशिश तो की पर वह 4.5 अंक जोड़ते हुए कुल 13.5 अंको के साथ पांचवें स्थान पर पहुँच गए है ।

ग्रांड चैस टूर के आखिरी और पांचवें दिन अंतिम 9 ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले जाएँगे और कुल 9 अंक दांव पर होंगे देखना होगा की क्या गुकेश अंतिम दिन वापसी करेंगे या फिर कार्लसन एक बार फिर यह खिताब अपने नाम कर लेंगे ।

विंबलडन में 100 जीत दर्ज करने वाले तीसरे खिलाड़ी बने नोवाक जोकोविच

लंदन । नोवाक जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के इतिहास में 100 जीत दर्ज करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं । उन्होंने तीसरे दौर में सर्बिया के हम वतन खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच पर 6-3, 6-0, 6-4 से जीत के साथ यह उपलब्धि हासिल की । उनसे पहले मार्टिना नवरातिलोवा और रोजर फेडरर इस मुकाम पर पहुंचे थे । जोकोविच ने अपने 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात ऑल इंग्लैंड क्लब में जीते हैं । उन्होंने शनिवार को केकमानोविच के खिलाफ सेंटर कोर्ट पर पहले सेट में 3-3 के स्कोर से लगातार नौ गेम जीतकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया । जोकोविच ने कोर्ट पर दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं अपने पसंदीदा टूर्नामेंट में जो भी इतिहास बनाऊंगा, उसके लिए मैं आभारी हूं।' अपना 20वां विंबलडन टूर्नामेंट खेल रहे 38 वर्षीय जोकोविच का अगला मुकाबला 11वें नंबर के एलेक्स डी मिनाउर से होगा। महिला वर्ग में नौ बार विंबलडन एकल चैंपियन रहीं नवरातिलोवा ने 120 एकल जबकि पुरुष वर्ग में आठ बार के चैंपियन फेडरर ने 105 एकल मैच में जीत दर्ज कीं ।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम को लगा बड़ा झटका, विश्व कप के लिए स्वत: योग्यता खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की वनडे रैंकिंग में दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से खिसक गई है जिससे मार्की टूर्नामेंट से एक बार फिर बाहर होने का जोखिम है। नई रैंकिंग श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में बांग्लादेश की जीत के बाद आई है, जहां उन्होंने कोलंबो में ताइजुल इस्लाम के शानदार पांच विकेट की बदौलत 248 रनों का बचाव किया जिससे तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर हो गई। विजडन के अनुसार इस जीत ने बांग्लादेश को पुरुषों की वनडे टीम रैंकिंग में एक स्थान ऊपर नौवें स्थान पर पहुंचा दिया।

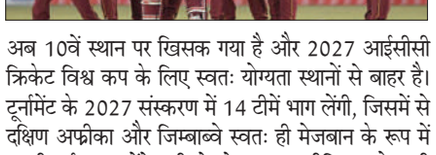

हालांकि विश्व कप योग्यता के लिए कटऑफ तिथि से पहले विंडीज आवश्यक रैंकिंग में वापस आ सकता है। वेस्टइंडीज अब 10वें स्थान पर खिसक गया है और 2027 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए स्वतः योग्यता स्थानों से बाहर है। टूर्नामेंट के 2027 संस्करण में 14 टीमें भाग लेंगी, जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे स्वतः ही मेजबान के रूप में क्वालीफाई कर लेंगे। तीसरे मेजबान नामीबिया को वही विशेषाधिकार नहीं मिलेगा क्योंकि वे टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले पूर्णकालिक आईसीसी सदस्य नहीं हैं।

शीर्ष आठ टीमें (मेजबान को छोड़कर) 31 मार्च 2027 को अपनी वनडे रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। शेष चार स्थानों का निर्धारण 10 टीमों के क्वालीफायर टूर्नामेंट द्वारा किया जाएगा। वेस्टइंडीज क्वालीफायर खेलने से बचने का लक्ष्य रखेंगे, क्योंकि उन्होंने 2023 संस्करण के लिए भी ऐसा ही किया था और 1975 में अपनी स्थापना के बाद से अपना पहला विश्व कप गंवा दिया था। वह दो प्रतिष्ठित स्थानों के लिए नीदरलैंड और श्रीलंका से हार गए थे। नई द्धष्टष्ट ह्लष्ठद्घ रैंकिंग में श्रीलंका अपनी हार के बाद पांचवें स्थान पर खिसक गया। दूसरे स्थान पर मौजूद ऑस्ट्रेलिया और तीसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड दोनों के 109 रेटिंग अंक हैं।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है । ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ । रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं । इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है । इसमें यशस्वी ने रवि से कहा, 'हैलो रवि, आप कैसे हैं? मैं यशस्वी हूं, आपसे मिलकर खुशी हुई। मैं आपसे मिलने के लिए वास्तव में उत्साहित था क्योंकि मुझे पता है कि आप क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। साथ ही कहा, 'मेरे पास आपके लिए एक उपहार है मेरा बल्ला । मैं चाहूंगा कि आप इसे मेरी याद के रूप में रखें । आपसे मिलकर वास्तव में बहुत अच्छा लगा। इस पर रवि ने कहा, 'आपसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। बहुत-बहुत धन्यवाद । आप शानदार क्रिकेटर है । आप भारतीय क्रिकेट का भविष्य हैं । मुझे आपकी बल्लेबाजी देखना पसंद है । यशस्वी ने बेहद कम समय के अंदर ही भारतीय टीम में अपनी जगह बनायी है ।

रोहित और कोहली की वनडे वापसी पर लगा ब्रेक, फैंस को करना होगा इंतजार

-भारत-बांग्लादेश क्रिकेट सीरीज 2025 टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल बांग्लादेश दौरे पर नहीं जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज अब फिलहाल स्थगित कर दी गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को जानकारी दी कि दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड की आपसी सहमति से यह निर्णय लिया गया है। नई सीरीज अब सितंबर 2026 तक के लिए टाल दी गई है। इस दौरे में तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाने थे।

सीरीज टलने से भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को उस वापसी का भी इंतजार करना पड़ेगा जिसका वे लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे रोहित शर्मा और विराट कोहली की वनडे क्रिकेट में वापसी। दोनों दिग्गज खिलाड़ी पहले ही टेस्ट और टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। ऐसे में बांग्लादेश के खिलाफ यह सीरीज उनके लिए एक तरह से वनडे क्रिकेट में पुनः दस्तक देने का मंच मानी जा रही थी।

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा कि यह निर्णय दोनों टीमों के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम और मौजूदा शेड्यूल की व्यस्तता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भी पुष्टि की है कि वह सितंबर 2026 में भारत की मेजबानी को लेकर उत्साहित है। इस सीरीज की नई तारीखों की घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी।

गौरतलब है कि भारत और बांग्लादेश के बीच यह सीरीज 17 अगस्त 2025 से शुरू होनी थी। तय कार्यक्रम के अनुसार टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे के समापन के बाद सीधे बांग्लादेश रवाना होना था, लेकिन अब उस योजना पर विराम लग गया है। फिलहाल भारतीय टीम इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जो 4 अगस्त को समाप्त होगी। सीरीज स्थगित होने से रोहित और विराट के प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है। विराट कोहली ने अपना आखिरी वनडे मार्च 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था और अब तक वे 302 वनडे मैचों में 14181 रन बना चुके हैं, जिसमें 51 शतक और 74 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं रोहित शर्मा ने 273 वनडे मैचों में 11168 रन बनाए हैं और उन्होंने भी अपना अंतिम वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ ही मार्च 2025 में खेला था।

इस एक्ट्रेस ने प्रियंका की फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' को सराहा, देसी गर्ल ने दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा की हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' की तारीफ उनके कई बॉलीवुड को-एक्टर्स भी कर रहे हैं। हाल ही में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू की पत्नी और एक्ट्रेस नम्रता शिरोडकर ने प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट की है। नम्रता की पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्शन दिया है।

नम्रता ने प्रियंका को अमेजिंग बताया

नम्रता शिरोडकर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में नम्रता ने लिखा है, 'आप फिल्म में बहुत अमेजिंग थीं प्रियंका चोपड़ा। आपने धमाल मचा दिया। मुझे फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट्स' बहुत पसंद आई।' नम्रता की इस पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने भी रिएक्ट किया, उनकी पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया। साथ ही नम्रता के लिए एक मैसेज भी लिखा, 'शुक्रिया क्वीन, नम्रता शिरोडकर।'

साउथ की मेगा बजट फिल्म का भी हिस्सा प्रियंका

बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा, नम्रता शिरोडकर के पति और एक्टर महेश बाबू के साथ एक साउथ फिल्म कर रही हैं। इस मेगा बजट फिल्म में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। फिल्म को एस.एस. राजामौली निर्देशित कर रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका भारत भी आई थी। फिल्म की शूटिंग से जुड़ी जानकारी प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी।

मां बनने के बाद होता है आर्थिक नुकसान, कोंकणा ने इंडस्ट्री के दोहरे रवैये पर की बात

अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो पंकज त्रिपाठी के साथ नजर आने वाली हैं। इस बीच अब अभिनेत्री काम और पर्सनल लाइफ के बीच संतुलन बिठाने को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने मां बनने के बाद महिलाओं के काम और उनके वेतन पर पड़ने वाले असर को लेकर भी बात की।

मां बनने के बाद पड़ता है असर

फर्स्टपोस्ट के साथ हालिया बातचीत में कोंकणा सेन शर्मा ने कहा कि सच कहूं तो आज के वक्त में किसी भी इंडस्ट्री में मां बनने के बाद महिलाओं की कमाई में असर दिखना शुरू हो जाता है। जबकि पुरुषों के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि होता ये है कि एक पिता के तौर पर एक पुरुष के लिए जैसे-जैसे उनके बच्चे होते हैं, वो अधिक सीनियर होते जाते हैं और अधिक कमाने लगते हैं। लेकिन महिलाओं के साथ इसका उल्टा होता है। क्योंकि मां बनने के बाद महिलाओं को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ता है। क्योंकि आप उस तरह से हर चीज में हिस्सा नहीं ले सकते और वैसे काम नहीं कर सकते। जिस तरह से समाज आपसे उम्मीद करता है या जो आपके वर्कप्लेस पर आपसे उम्मीद की जाती है।

'सरकारों को वर्किंग मदर्स के लिए नीतियों में करना चाहिए बदलाव'

एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब आने वाले दिनों में ये होने वाला है कि महिलाओं को बच्चे पैदा करने के लिए बिल्कुल भी प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा। क्योंकि यह दिन पर दिन मुश्किल होता जा रहा है। आप जानते हैं, प्रोफेशनल लाइफ में एक्टिव होना और साथ ही एक अच्छी मां बनना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसके लिए सरकारों को अंततः वर्किंग माओं के लिए नीतियों में बदलाव करना होगा। वर्ना धीरे-धीरे इसमें कमी आती जाएगी।

'मेट्रो इन दिनो' में नजर आएंगी कोंकणा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कोंकणा अनुराग बसु की 'मेट्रो इन दिनो' का हिस्सा हैं। इस फिल्म में कोंकणा के अलावा पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, अनुपम खेर, फातिमा सना शेख और नीना गुप्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शनाया की ईमानदारी और कमिटमेंट ने किया मुझे हैरान

विक्रांत मैसी ने फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। अभिनेता विक्रांत मैसी ने बताया कि कैसे उनके समर्पण और कड़ी मेहनत ने नेपोटिज्म जैसे स्टीरियोटाइप को तोड़ने में मदद की। समाचार एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में विक्रांत से पूछा गया कि उन्होंने रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग के दौरान शनाया से क्या सीखा? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा है। लेकिन जिस चीज ने मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित किया, वह था उनकी कमिटमेंट। जिस इंटेनसिटी और ईमानदारी के साथ वह इस फिल्म में आईं, मेरे लिए यह अविश्वसनीय रूप से प्रेरक और मार्मिक था। भले ही यह सच है कि वह नेपोकिड हैं और फिल्मी परिवार से आती हैं, तो लोगों के मन में उनको लेकर एक अलग धारणा बनी है कि उनके पास विशेषाधिकार की एक खास भावना है। लेकिन मुझे उनमें ऐसा कुछ भी महसूस नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, वह हर दिन सेट पर रहती थीं, और इस प्रोजेक्ट में पूरे दिल से लगी हुई थीं। वह फिल्म में बहुत अच्छी तरह से तैयारी करके आई थीं। उनका यह कमिटमेंट बहुत प्रेरणादायक था, और मैं आशा करता हूं कि वह इसे लंबे समय तक बनाए रखेंगी, क्योंकि मेरा मानना है कि कभी-कभी, यह अच्छे और महान के बीच बस एक धागे का अंतर होता है, और उनके पास वे सभी गुण हैं जो उसे इस इंडस्ट्री में आगे बढ़ा सकते हैं, जिसने मुझे वास्तव में प्रेरित किया। मैसी ने कहा कि शनाया कपूर जब कैमरे के सामने होती हैं तो सच में उस पल को बहुत अहमियत देती हैं और यह उनके काम में झलकता है। जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें भी ऐसा ही लगेगा कि उन्होंने इस अवसर को हल्के में नहीं लिया है। और यह, मेरे लिए, बहुत ताजगी भरा था।

शनाया कपूर आंखों की गुस्ताखियां से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं, जो 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आने वाली है। रस्किन बॉन्ड की मशहूर कहानी द आइज हैव इट से प्रेरित इस फिल्म में शनाया एक थिएटर कलाकार की भूमिका में हैं।

निमरत कौर ने की टाइगर की तारीफ

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और टीवी एक्ट्रेस निमरत कौर का म्यूजिक वीडियो 'बेपनाह' रिलीज हो चुका है। निमरत ने को-एक्टर टाइगर की तारीफ करते हुए बताया कि वह मेहनती हैं और हर फ्रेम में उनका पैशन दिखता है। टीवी शो 'छोटी सरदारनी' फेम निमरत कौर ने इस वीडियो में टाइगर के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर किया है। उनके ग्लैमरस अंदाज और टाइगर की डांस प्रतिभा ने इस गाने को खास बना दिया है।

निमरत ने इस अनुभव को शेयर करते हुए बताया, टाइगर के साथ काम करना बेहद मजेदार रहा। हर फ्रेम में उनका जुनून और मेहनत साफ दिखता है, जो प्रेरणादायक है। मुझे उनकी एनर्जी से तालमेल बिठाना था और कोरियोग्राफर बॉस्को ने मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर निकालकर बेहतरीन डांस सिखाया। यह गाना स्टाइल, रिदम और केमिस्ट्री का शानदार मिश्रण है। मैं दर्शकों के रिएक्शन का इंतजार कर रही हूं। निमरत ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 'बेपनाह' का कॉन्सेप्ट और ट्रैक सुना, तो वह तुरंत इसकी दीवानी हो गईं। गाने की जीवंतता और ग्लैमरस वाइब ने उन्हें नया लुक आजमाने का मौका दिया। टाइगर सोशल मीडिया पर गाने के बीटीएस वीडियो और टीजर शेयर कर चुके हैं। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था, मैंने लंबे समय बाद खुद को इतना पुश किया है। इस गाने को आप सबके साथ शेयर करने के लिए उत्साहित हूं। यह म्यूजिक वीडियो हाई-फैशन विजुअल्स और शानदार कोरियोग्राफी का मिश्रण है, जो दर्शकों को मनोरंजन का दोगुना डोज देगा। टाइगर के फैंस इसे उनके अब तक के सबसे शानदार परफॉर्मेंस में से एक बता रहे हैं। 'बेपनाह' यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। टाइगर जल्द ही 'बागी 4' में भी नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं जब मुझे कोई टेंशन होती है

फिल्म तारे जमीन पर के ईशान अवस्थी के रूप में आज भी याद किए जाने वाले एक्टर दर्शील सफारी इन दिनों अपनी वेब सीरीज गेमरलोग को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में दर्शील ऑनलाइन गेमिंग मुकाबले में भागीदारी करने वाले युवा की भूमिका में हैं। खास बात यह है कि दर्शील खुद भी ऑनलाइन गेमिंग के बेहद शौकीन हैं। यहां तक कि एक समय था, जब उन्होंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेला है। बकौल दर्शील, हमारी पीढ़ी के युवाओं के बीच ऑनलाइन गेमिंग एक आम बात है। मैंने बहुत कम उम्र में ऑनलाइन गेम खेलना शुरू किया था। एक समय था, जब मैंने रात-रात भर ऑनलाइन गेम खेली है। मेरे पास गेमिंग कंसोल था, पर मेरे डैड को लगा कि ये तो बहुत बड़ी गलती हो गई और उन्होंने मुझे गेम खेलने से रोक दिया। ईशान ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक मेरे बोर्ड एग्जाम खत्म नहीं होते, मैं गेम नहीं खेल सकता। यहां तक कि उन्होंने एक नया प्ले स्टेशन सरप्राइज के तौर पर छिपाकर रखा था। मुझे पता भी नहीं था कि मेरे घर पर यह प्ले स्टेशन है। हालांकि, अब मैं उतना गेम नहीं खेलता। एक बैलेंस बनाने की कोशिश कर रहा हूं।

तारे जमीन पर के एक्टर ने कहा,मैं सबसे यह कहना भी चाहूंगा कि गेमिंग में बहुत ज्यादा घुस जाना भी अच्छा नहीं होता है। आपको एक बाहर की दुनिया से भी जुड़ा रहना चाहिए। आज के समय में मैं गेमिंग तब करता हूं, जब मुझे अपनी किसी सोच को बंद करना होता है। जब कोई टेंशन होती है तो मैं 15-20 मिनट खेलता हूं तो वो टेंशन दूर हो जाती है।

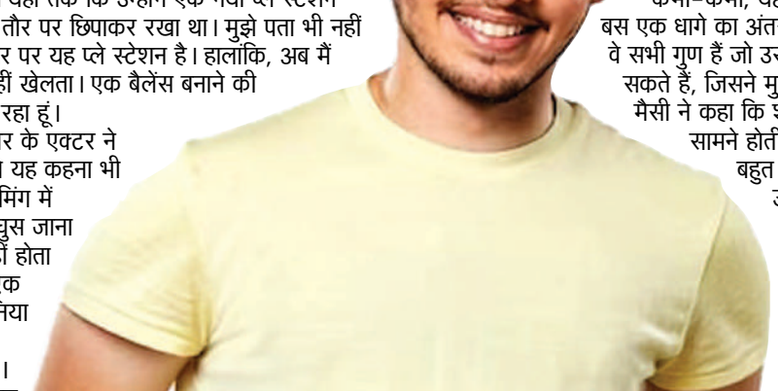

8 घंटे शिफ्ट की लड़ाई कब से लड़ रही हूं

कला उन्हें विरासत में मिली। उनके दादा नाटक कंपनी चलाते थे, तो सुर सम्राज्ञी बुआ लता मंगेशकर और आशा भोसले की भी संगत रही। लिहाजा, वह खुद भी बचपन ही फिल्मों में गायिकी और अदाकारी का हुनर दिखाने लगीं। हम बात कर रहे हैं, 80 के दशक की प्रेम रोग, वो सात दिन, सौतन जैसी यादगार फिल्मों की स्टार अदाकारा पद्मिनी कोल्हापुरे की, जिन्होंने लंबे अर्से बाद सीरियल चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान से छोटे पर्दे पर वापसी की है।

आज नायिका प्रधान फिल्मों की काफी बातें होती हैं कि अब लड़कियों के लिए दमदार रोल लिखे जा रहे हैं। आप इससे कितना सहमत हैं?

पद्मिनी ने कहा- ये मुझे विपरीत बात लगती है। अभी मैं किसी से बात कर रही थी, तो उनका कहना था कि उस जमाने में जिस तरह से महिला प्रधान फिल्में हुआ करती थीं, वो अभी नहीं बन रही है, तो ये नजरिए की बात है। अपने ज़माने में मैंने ढेरों अच्छी फिल्में और बहुत बढ़िया कैरेक्टर किए है। जैसे, प्रेम रोग, इंसाफ का तराजू, वो सात दिन, सौतन, जिनके बारे में आज भी चर्चा होती है। यही नहीं, उस ज़माने में हम 5 या 6 ही लड़कियां थीं। जबकि, आज 50 से 100 लड़कियां हैं, तो कॉम्पिटिशन बहुत तगड़ा हो गया है।

इंसाफ का तराजू और प्रेम रोग जैसी फिल्में सेक्सुअल एब्यूज और विधवा विवाह जैसे गंभीर मुद्दों पर हैं। उसमें इंटीमेट सीन भी थे, जबकि आप तब सिर्फ 15-16 साल की थीं। उन किरदारों को करना कितना मुश्किल था? कुछ असहज भी हुई?

देखिए, ये तो डायरेक्टर के हाथ में होता है कि वे ऐसे सीन को कैसे फिल्माते हैं। उस समय में इतने बड़े-बड़े डायरेक्टर्स थे, राज कपूर, बीआर चोपड़ा, वी शांताराम, वे एक जुनून के साथ फिल्म बनाते थे। उनको सिनेमा से मोहब्बत थी, जो मैंने खुद देखा है। वे यह सोचकर फिल्म नहीं बनाते थे कि वो चलेगी या नहीं। 100 दिन करेगी या सिल्वर जुबली। उन्हें स्क्रिप्ट पसंद आती थी, तो वे उसमें बिल्कुल डूब जाते थे। वे इस नीयत से सिनेमा बनाते थे। दूसरे, चूंकि मैं बचपन से ही काम करती आ रही हूं तो मुझे उसमें ऐसा कुछ अलग या असहज नहीं लगा। मैं तो नर्वस तब हुई थी, जब जमाने को दिखाना है में पहली बार ऋषि कपूर जी के साथ काम करना था। मैं ऋषि जी की बहुत बड़ी फैन थी। आज भी मैं उनकी फिल्में देखती हूं तो उनकी बहुत याद आती है।

आपने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट भी बहुत काम किया है, क्या बचपन में काम इंजॉय करती थीं? जैसे नीतू कपूर कहती है की वो इंजॉय नहीं करती थीं, इसलिए शादी के बाद जैसे मौका मिला, उन्होंने ऐक्टिंग छोड़ दी...

ऐक्टिंग छोड़ी तो मैंने भी। मैंने भी 21 साल की उम्र में ऐक्टिंग छोड़ दी थी, जब मेरी शादी हुई, क्योंकि तब मैं इतनी बिजी थी। सुबह से लेकर रात तक। जैसे अभी इस शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान के लिए ही मुझे 12 से 14 घंटे शूट करना पड़ रहा है। उस समय तो हफ्ते में सातों दिन, साल में 365 दिन नॉनस्टॉप शूटिंग हुआ करती थी। आप सोचिए, मैं बच्ची ही थी न। बच्ची छोड़िए, कोई बड़ा भी हो तो सुबह 7 बजे से रात के 11-12 बजे तक आप बाहर ही रहो। आज-कल, परसों, 10 दिन, 15 दिन महीना साल तो इंसान थक ही जाता है ना, तो ये हुआ मेरे साथ। इसलिए, मैंने भी जब शादी की, तो खुद ही तय कर लिया था कि शादी के बाद मैं काम छोड़ दूंगी। बहुत हो गया और उसका कोई अफसोस नहीं है। अभी लोग सोचते हैं कि अब फिर से काम क्यों कर रही हूं, तो वो इसलिए क्योंकि मैं यही एक काम जानती हूं।

तब ज्यादातर हीरोइनें शादी और मां बनने के बाद काम छोड़ देती थीं, मगर आज करीना, आलिया, दीपिका सब काम कर रही हैं और वे एक वर्क कल्चर की मांग कर रही हैं कि 12-14 नहीं, 8 घंटे काम होना चाहिए। आपका क्या नजरिया है?

काम के घंटे निश्चित तौर पर कम होने चाहिए। ऐसा नहीं कि 12-14 घंटे की शिफ्ट हो। मैं सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन (ष्ह्वहृ) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट भी हूं तो हम इसके लिए बहुत समय से लड़ रहे है, आग्रह भी कर रहे हैं कि प्लीज थोड़ी सी सहूलियत करें। मुझ लगता है कि कुछ बड़े कलाकार भी इसमें जुड़ जाएं और तो सबके लिए आसानी हो जाएगी। सभी खुशी खुशी काम कर पाएंगे, क्योंकि ऐक्टिंग में फिजिकली और मेंटली दोनों तरह से बहुत काम होता है। जैसे, अभी एक दिन 12 बजे तक शूट करते-करते मैं खुद बिल्कुल डेड हो गई थी कि भई, अब मुझसे नहीं होगा और काम के वक्त ये तनाव अच्छा नहीं है।

फिल्म पानीपत के बाद टीवी पर 11 साल बाद वापसी करने के लिए भी आपने चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान जैसा ऐतिहासिक शो चुना है। ऐसा क्यों?

चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। जब राजमाता की भूमिका मेरे पास आई तो मुझे तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ। ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है जिसमें इतनी गहराई और शांत शक्ति हो। पानीपत मेरी पहली ऐतिहासिक फिल्म थी, जिसे करने में मुझे बहुत मजा आया था, मगर फिल्म में आपको तीन घंटे में सब कुछ दिखाना पड़ता है, जबकि टीवी पर आप बहुत दिखा सकते हैं। अभी मैं शूट के लिए पटना गई थी, तो फ्लाइट में छावा देखी और मुझे लगा कि हमारे देश के इन नायकों की कहानी कहना बेहद जरूरी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।